



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 2] नई विल्सो, शनिवार, जनवरी 9, 1982 (पौष 19, 1903)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 9, 1982 (PAUSA 19, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में खो जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखारीभक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरो की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-पशा.-।।—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल.) श्री एस. एल. धवन को ।-।-।-। से 28-।-।-। तक की अवधि अवधि के लिए अध्यक्ष आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उप नियन्त्रक (त. सं.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

उप नियन्त्रक (त. सं.) के पद पर श्री एम. एल. धवन की नियन्त्रित पूर्णतः तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और उक्त ग्रेड में दिव्यन्यन अध्यक्ष वरिष्ठता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करते हैं।

पी. एस. राणा  
अनुभाग अधिकारी

कृत अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 35014/2/80-पशा.-।।—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-।-।-। के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में के स. स. के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के. एल. कल्याल को ।-।-।-। से 28-।-।-। तक दो मास की अवधि के लिए

अध्यक्ष आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्गवाह्य पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री के. एल. कल्याल सेवा अधिकारी के संवर्गवाह्य पद पर प्रतिनियुक्त पर रहेंगे और उनका वेतन सम्य-सम्य पर संशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का. जा. सं. एफ. ।।। (24) है। ।।।/।।।/66 दिनांक 4-।-।-। 196। में मन्त्रिहित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होंगा।

दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32016/3/80-पशा.-।।—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री ओ. पी. मूद, अन्वेषक (त. सं.) को ।-।-।-। से 28-।-।-। तकी की अवधि के लिए अध्यक्ष आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अधीक्षक (त. सं.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

अधीक्षक (त. सं.) के पद पर श्री ओ. पी. मूद की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ और अस्थायी आधार पर है और यह उक्त ग्रेड में उन्हें दिव्यन्यन अध्यक्ष वरिष्ठता दो हक प्रदान नहीं करते हैं।

सं. पी./।।।/1783 प्रशा.-।।—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 अगस्त 198। के अनुक्रम में महालेखाकर, उडीसा के लेखा अधिकारी श्री वी. रामचन्द्रन को ।।।-।।।-।।। से ।।।-।।।-।।। तक अध्यक्ष आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य करते हुने की अनुमति दी

गई है। श्री रामचन्द्रन उपर्युक्त अवधि के द्वारा न कोई प्रति-नियुक्ति (ड्रेडिंग) भल्ता प्राप्त करने के हक्कार नहीं होंगे।

पी. एस. राणा  
अनुभाग अधिकारी  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई विली-110011, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/3/79-प्रशा।—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के. स. स्टै. से. का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीख से अधवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के. स. स्टै. से. ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्रम. सं.	नाम	अवधि
1.	श्री जोगिन्द्र सिंह	9-11-81 से 8-2-82 तक
2.	श्री आर. एल. ठाकुर	28-10-81 से 21-1-82 तक

सं. 32014/1/81-प्रशा० I (i)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टै० से० का ग्रेड-ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम	अवधि
सं०		

1. श्री पी०पी० सिंक्का	4-11-81 से 27-1-82 तक अधवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो।
2. श्री श्रो० पी० देवरा	9-11-81 से 8-2-82 तक अधवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।

2. सर्वश्री पी०पी० सिंक्का और श्रो०पी० देवरा अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टै० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टै० से० का ग्रेड ख में विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा।

सं. ए० 32014/ /81-प्रशा० I (ii)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टै० से० के निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम अस्थायी, और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टै० से० का ग्रेड ख)

के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम	अवधि	प्रभावित
सं०			
1.	ए० सी० कटोच	14-12-81 से 28-2-82 तक	निजी सचिवों के पदों को अधवा आगामी आदेशों तक, जो पदावनत करने भी पहले हो।
2.	टी० आर० शर्मा	1-12-81 से 28-2-82 तक	वही प्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।
3.	जाम प्रकाश	वही	परिणामी पृष्ठसाबद्ध रिक्ति में

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टै० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टै० से० का ग्रेड ख में विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा।

य. रा. गांधी  
अवर सचिव (प्रशासन)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
का. प्रबंध प्रशा. सुधार दिभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. पी. ए०/ए०-234/73-प्रशासन-।—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री सुकूमार विश्वास, को केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, सामान्य अपराध स्कॉर्च, कलकत्ता शासा में दिनांक 16-11-81 के पूर्वाह्न से कार्य भार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. आर-93/66-प्रशा.-5—निवारन की आय प्राप्त कर लेने पर महाराष्ट्र पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर. के. शुक्ला की मंदाचं दिनांक 30-11-81 के अपराह्न से महाराष्ट्र राज्य गवर्नर को 'चापस सौप दी गई।

की. ला. ग्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. आ०. दो०. 1206/75-स्थापना—श्री चंतराम ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, के. रि. पू. बल के पद का कार्यभार 30-11-1981 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं. आ०. दो०. 1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना त्रिवेदी को 5-12-81 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अधिका उस पद पर नियमित नियूक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं. आ०. दो०. 1582/82-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी ऑफिसर ग्रेड-11) डा. के. अपला चार्यूल ग्रुप केन्द्र दीमापुर को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 28 नवम्बर 1981 के अपराह्न से कार्यभार भूक्त कर दिया है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. आ०. दो०. 1414/77-स्थापना—श्री गुरुबचन सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक के. रि. पू. बल के पद का कार्यभार 31-10-1981 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए. के. सूरी  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

सं. ई-38013 (2)/1/79-कार्मिक—मद्रास को स्थानांतरित होने पर, मेजर आर. सी. रमेया ने 28 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, एस. एच. ए. आर. सेंटर, के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013 (2)/1/798 कार्मिक—एस. एच. ए. आर. सेंटर से स्थानांतरित होने पर मेजर आर. सी. रमेया ने 29 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ०. सू. ब०., मद्रास के सहायक महानिरीक्षक (द. क्षेत्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-16015/2/81-कार्मिक—ज्वाहन्ट साइफर व्यूरो, रक्षा मंत्रालय को प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री एन. रामदास ने 3 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. आ०. सू. ब०. ग्रेप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—नंगल को स्थानांतरण होने पर, श्री एच. एस. रंधावा ने 5-10-81 के अपराह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, आई. ओ. सी., गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—नया नंगल से स्थानांतरण होने पर, श्री एस. एस. सम्याल ने तारीख 16 अक्टूबर, 1981 पूर्वाह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, आई. ओ. सी., गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—बद्रोदरा से स्थानांतरित होने पर श्री एच. एस. रंधावा ने 9 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, एन. एफ. एल., नया नंगल के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं. ई-38013(4)/12/81-कार्मिक—बड़ौदा में स्थानांतरण होने पर श्री सी. एस. वरदाराजन ने 9 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, एन. एफ. एल., नया नंगल के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/16/81-कार्मिक—हैदराबाद में स्थानांतरित होने पर श्री सी. एस. वरदाराजन ने 9 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, बी. आई. एल., भिलाई के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—प्रशिक्षण रिजर्व के. आ०. सू. ब०. /दक्षिण क्षेत्र से स्थानांतरित होने पर श्री श्री. ए. देवाया ने 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से के. आ०. सू. ब०., दक्षिण क्षेत्र मुख्यालय, के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और श्री आर. जानकीरमन ने उक्त का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं. ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—बचती से स्थानांतरित होने पर श्री एम. के. चोपड़ा, ने 8 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. आ०. सू. ब०. यूनिट, बी. एच. एल., भोपाल के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सूरेन्द्र नाथ  
महानिदेशक/के. आ०. सू. ब०.

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक जनवरी 1982

सं. 23/3/81-सी. पी. आई.—नवम्बर, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार वर्ष 1960=100 अक्टूबर, 1981 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 462 (चार सौ बासठ) रहा। नवम्बर, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 562 (पाँच सौ बासठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारतवाच  
निदेशक

## भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. प्रश्न. 1/8-132/81-82/4104—श्री डि. डी. सेल लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश 1 सेवा में निवृत्त हूँ, दिनांक 30-11-1981 अपराह्न।

ग. हरिहरन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं० प्रश्नासन/सामान्य/31-खण्ड-III/सी० 1 (1)/8—महालेखाकार, महाराष्ट्र-(1) बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्थ रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं—

क्र. सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री छोड़ू० छोड़ू० निरग्ने	17-11-81 (अपराह्न)
2.	श्री एन० एम० फाटक	30-11-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री जी० एस० देशपांडे	30-11-81 (पूर्वाह्न)
4.	श्री छोड़ू० एम० फिरके	30-11-81 (पूर्वाह्न)
5.	श्री पी० एम० चांदेकर	30-11-81 (पूर्वाह्न)

ह. अपठनीय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रश्नासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रश्नासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. प्र-6/247 (615)—स्थायी भण्डार परीक्षक (इ-जी.) और निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक निरीक्षण अधिकारी (इ-जी.) श्री एम. के. मिहा निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-1981 (अपराह्न) गं सरकारी सेवा में निवृत्त हो गय।

एम. जी. मैनन  
उप निदेशक (प्रश्नासन)  
कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रश्नासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. प्र 1/1 (917)—गण्डपांति, महायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा, श्रेष्ठ ए के ग्रेड-1।।।) श्री एम. पी. गुप्ता को दिनांक 24-11-1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा श्रेष्ठ ए के ग्रेड-1।।।) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 24-11-1981 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति का कार्यभार सम्भाल लिया।

एस. एल. कपूर  
उप निदेशक (प्रश्नासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. ई. 1-13 (107)/78( )—वार्धक्य की आयु प्राप्त होने पर श्री हीर मोहन बास, सहायक लोहा तथा इस्पात नियंत्रक, 30 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एस. एन. विश्वास  
संयुक्त लोहा तथा इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. 8005 वी/50/66 (डी. के. जे)/19 वी.—लिमिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि�.), से प्रावर्तन द्वारा भारतीय भूदैज्ञानिक रार्टेक्षण के शीफ्ट बास श्री डी. के. जय ने भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण, पश्चिमी ध्रुव, जयपुर में दिनांक 14-10-1980 (पूर्वाह्न) से कार्यभार सम्भाल लिया और उसी पद में उन्होंने स्वैच्छिक निवृत्ति पर दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) से कार्यभार त्याग दिया।

सं. 8025 वी/प-19012 (2-टी. पी.)/81-19वी.—भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री तापोज्याति पात्र द्वारा सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण में वंतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रा.-35-880-40-1000-द. रा.-40-1200 रु. के वेतनमात्र में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-9-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

## दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. 7996 बी/ए-19012 (2-आर. प.न.) 81-19 बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (भूभौतिकी) श्री राजीव निगम को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-7-81 के पूर्वाह्न में पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. /ए-19012 (2-बी. क. ए.)/81-19 बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (भूभौतिकी) श्री विमल कामार अधिकारी को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24-8-1981 के पूर्वाह्न में पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

## दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. /ए-19012 (2-सी. बी.)/81-19बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (भूभौतिकी) श्री कल्याण साहा को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4-9-81 के पूर्वाह्न में पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 8119 बी/ए-19012 (2-के. प.म.)/81-19बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (भूभौतिकी) श्री कल्याण साहा को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 18-8-1981 के पूर्वाह्न में पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 8129 बी/ए-19012 (2-एम. के. आर.)/81-19 बी.—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी महायक (भूभौतिकी) श्री मुहम्मद खालिद इकबाल को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 4-9-81 के पूर्वाह्न में पदान्तरित पर नियुक्त किया जा रहा है।

## दिनांक 18 दिसम्बर 1981

सं. 5120इ/ए-32013/ए-भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ)/81-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न-लिखित भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप में उभी विभाग में वेतन नियमानुसार 1100-50-1600 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक

प्रत्येक के सामने दर्शाइ गई तिथि से पदान्तरित पर नियुक्त कर रहे हैं:—

क्र. सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री जे० के० वैद	31-7-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० बासु	29-7-81 (पूर्वाह्न)
3.	श्री के० सी० पाल	31-7-81 (पूर्वाह्न)
4.	श्री बी० के० नागराज राव	30-7-81 (पूर्वाह्न)
5.	श्री बी० के० शर्मा	1-9-81 (पूर्वाह्न)
6.	श्री बी० एल० नरसंग्या	1-10-81 (अप्रूर्वाह्न)

जे० स्वामी नाथ  
महा निवेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

## बम्बई-26, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. 6/68/56-सिवंधी (1)—मूल्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एस. ए. नाईक, सेल्मन, बम्बई शास्त्रा, को दिनांक 1-12-81 के पूर्वाह्न में, नया बनाया शास्त्रा प्रबन्धक, विजयवाडा के पद पर अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त किया है।

श्री एस. ए. नाईक, शास्त्रा प्रबन्धक, विजयवाडा का दफ्तर, अगला आदेश जारी होने तक तदर्थ रूप में बम्बई होगा।

एस. के. राय  
सहा. प्रशासनिक अधिकारी  
कूर्त मूल्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ए. 12026/2/81 (अभा. स्वा. एवं जन स्वा. सं.) प्रशासन-।—राष्ट्रपति ने, आर्द्ध. एस. एस. के एक अधिकारी श्री एस. के. सान्याल को 10 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में गांधीकाय के ग्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन  
उप निवेशक प्रशासन  
(सं. एवं. प.)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
केन्द्रीय समिति  
बम्बई-400085, दिनांक 9 दिसम्बर 1981  
(कार्मिक प्रभाग)

सं. पी. ए./76 (3)/80 आर-111-13 अगस्त, 1981  
की समसंस्थक अधिसूचना के सन्वर्भ में श्री टी. के. राममूर्ती की  
सहायक लेखा अधिकारी पद पर 1 जून, 1981 से स्थानापन  
नियुक्ति को 6 अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) तक सीमित किया  
जाता है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं. पी. ए./79 (4)/80 आर-111—नियंत्रक, भाभा परमाणु  
अनुसंधान केन्द्र श्री पीडिकपरंबिल कल्याणियम्मा  
नारायणन, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रु.  
650-960) पद पर कार्य करने हेतु इसी अनुसंधान केन्द्र में  
5-10-1981 (पूर्वाह्न) से 12-11-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ  
रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पी. ए./80/81 (10)/8-आर-4—भाभा परमाणु  
अनुसंधान केन्द्र के निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
के निम्नलिखित अधिकारियों को, कालम 4 में बताई तारीखों से  
अगले आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन वैज्ञानिक  
अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	स्थानापन पद	तारीख
सं०			
1	2	3	4
सर्वेश्वी			
1.	लिह० एन० नद्रे	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
2.	एम० एस० सपू	यथोपरि	यथोपरि
3.	बर्थिस जेकब	यथोपरि	यथोपरि
4.	श्रीमती लिह० एस० दिक्षित	यथोपरि	यथोपरि
5.	एम० बी० गुहागरकर	नक्शानवीस (सी)	यथोपरि
6.	टी० जी० पटेल	फोरमैन	1-8-81
7.	पी० बी० पवास्कर	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
8.	ग० जी० राहुरकर	यथोपरि	यथोपरि
9.	श्रीमती ए०ए० कदम	यथोपरि	यथोपरि
10.	एस० एय० वासानिया	यथोपरि	यथोपरि
11.	श्रीमती ज० संथानम	यथोपरि	यथोपरि

1	2	3	4
सर्वेश्वी			
12.	एस० के० मुखर्जी	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
13.	एस० के०	बन्दोपाध्याया	यथोपरि
14.	एम० के० मुखर्जी	यथोपरि	3-8-81 (पूर्वाह्न)
15.	एम० वी०	सहजवाला	यथोपरि
16.	एस० डी०	पुलपगारे	यथोपरि
17.	डा० मध्य० डेविड	यथोपरि	यथोपरि
18.	पी० ए० गांगुली	यथोपरि	यथोपरि
19.	एन० स्वामिनाथन	यथोपरि	यथोपरि
20.	डी०डी० जैस्वाल	यथोपरि	यथोपरि
21.	श्रीमती विजया	आर० पुल्लत	यथोपरि
22.	लिह० वेंकटेसम	यथोपरि	यथोपरि
23.	पी० लिह० साठे	यथोपरि	यथोपरि
24.	पी० पी० गोखले	यथोपरि	यथोपरि
25.	लिह० लिह० देशमुख	फोरमैन	यथोपरि
26.	एम०ए० चम्हाण	यथोपरि	यथोपरि
27.	ए० के० कामत	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
28.	लिह० के० पी०	उष्णी	यथोपरि
29.	एस० एम०	नानजाली	यथोपरि
30.	पी० के० डी०	कुरुप	यथोपरि
31.	ए०ओ०	सुरेन्द्रनाथन	वैज्ञानिक सहायक (बी)
32.	ए० सुब्रमणीयन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)
33.	एम० एफ०फोसेका	वैज्ञानिक सहायक (बी)	यथोपरि
34.	जार्ज चेरीयन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	यथोपरि
35.	पी० सी० राव	यथोपरि	यथोपरि
36.	ए० के० दास	यथोपरि	यथोपरि
37.	टी० आर० मुकने	यथोपरि	यथोपरि
38.	ए० एफ० डायस	फोरमैन	यथोपरि
39.	एम० जनार्दनन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81
40.	जी० डी०	भेडसगांवकर	यथोपरि
41.	के० विजयन	यथोपरि	यथोपरि
42.	लिह० टी०	कुलकर्णी	यथोपरि

(1)	(2)	(3)	(4)
43. एस० के० बनर्जी	नवशानशीम (सी)	यथोपरि	
44. वाय० एच० साली	यथोपरि	यथोपरि	
45. एम० एस०			
पोटफोडे	यथोपरि	यथोपरि	
46. एन० चाको	वैज्ञानिक सहायक (सी)	10-8-81 (पूर्वाह्न)	
47. प्रार० एन० घोष	फोरमन	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
48. एस० वांचीश्वरन	यथोपरि	3-8-81 (पूर्वाह्न)	
49. सी० लोहीदाक्षन	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
50. छ्ह० छ्ह० वाड	फोरमैन	यथोपरि	
51. ए० एस०			
पापाचान	वैज्ञानिक सहायक (सी)	1-8-81 (पूर्वाह्न)	
52. वाय० आर०			
पंथ्या	यथोपरि	यथोपरि	
53. स० मुरलीधरस	यथोपरि	यथोपरि	
	ए० शांताकुमारा	मेनोन,	
	उप स्थापना	अधिकारी	

## परमाणु उत्तर्जा विभाग

## नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

## संयंत्र स्थल

बुलन्दशहर, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

क्र. न. प. वि. प. /प्रशा/26 (1)/81/एस/15842--  
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, श्री वाई० पी० सैनी, पी० पी० ई० डॉ० समूह में स्थायी चार्ज-हैंड तथा वर्सान में न. प. वि. प. में स्थानापन्न फोरमैन को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 1 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से अधिसम्मान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता अभियन्ता ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

अ. दे० भाद्रिया  
प्रशासन अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

सं. 05052/81/अर०/6471--भारी पानी परियोजना विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अरथामपरं बिल सदानन्दन जनार्दनन, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी०', भारी पानी संयन्त्र (तूतीकोरिन) को उसी संयन्त्र में एक वर्गस्त, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

गं. 05052/81/अग०/6472--भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अरकोट धनकोटी चन्द्रशेखरन, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक, 'सी०', भारी पानी संयन्त्र (तूतीकोरिन) को उसी संयन्त्र में एक वर्गस्त, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं. 05012/भ-4/स्था. पदो०/6475--भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री अन्नामलाई नटराजन, अस्थायी सहायक लेखापाल, भारी पानी संयन्त्र (तूतीकोरिन) को उसी कार्यालय में 25 महीं, पूर्वाह्न, 1981 से 20 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) तक के लिए श्री ए० ए० मूलत्सवामी, सहायक लेखा अधिकारी, जो पदोन्नति पर राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानान्तरित हो गए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर-सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र. च. कोटिजनकर  
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीधर

आदेश

ठाणे, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. ता प बि घ/2/846/71 लंड-11--जबकि श्री एम० मूलत्वेल०, द्रेहेसमैन 'डी०' को उनके अनुरोध पर दिनांक 20/9/81 के परवरणक सहित दिनांक 1/9/81 से 19/9/81 तक का अवकाश मजूर किया गया था;

और जबकि उपरोक्त श्री मूलत्वेल० स्वीकृत अवकाश की समाप्ति के बाद दिनांक 21/9/81 को कार्य पर नहीं लौटे;

और जबकि उपरोक्त श्री मूलत्वेल० ने एक तार भेजा जो तारा-पर परमाणु बिजलीधर में दिनांक 21/9/81 को प्राप्त हुआ और जिसमें श्री मूलत्वेल० ने अवकाश की अवधि को और एक माह बढ़ाने के लिए पूछा था;

और जबकि 21/9/81 से एक माह की समाप्ति के बाद भी श्री मूलत्वेल० कार्य पर लौटने में असफल रहे;

और जबकि दिनांक 26/10/81 को तारापुर परमाणु बिजलीधर द्वारा उपरोक्त श्री मूलत्वेल० को उनके अन्तिम ज्ञात पते-विलापटटी पर पंजीकृत डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा एक ज्ञान भेजा गया था जिसमें उपरोक्त श्री मूलत्वेल० से कार्य पर तुरन्त लौटने के लिए कहा गया था;

और जबकि डाक डाक अधिकारियों द्वारा उपरोक्त ज्ञापन इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला दिलाई नहीं दिया;

और जबकि उपरोक्त श्री मूलत्वेल० ने एक अन्य पत्र दिनांक 21/11/81, भेज कर अवकाश की अवधि 2 या 3 माह तक बढ़ाने का अनुरोध किया;

और जबकि श्री मूलत्वेल० के दिनांक 21/11/81 के पत्र में दिए गए पते पर तारापुर परमाणु बिजलीधर द्वारा दिनांक 30/11/81 को पंजीकृत डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा एक ज्ञान भेजा गया जिसमें उपरोक्त श्री मूलत्वेल० से तुरन्त कार्य पर लौटने के लिए कहा गया था;

और जबकि उपरोक्त ज्ञापन दिनांक 30/11/81 को डाक अधिकारियों की इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला पता सूचित किए बिना चला गया;

और जवाहिल श्री मुहम्मदन, नगाराण अनुग्रहित रहे हैं,  
और जवाहिल उपराष्ट्रमंत्री श्री मुहम्मदन अनुग्रहित हैं पर कार्य में  
अनुपस्थित रहने तथा स्वेच्छा में सेवा लागते रहे दारी हैं;

और जवाहिल अधोहस्ताक्षरी मंगाइ है कि नागरपाल परमाणु  
बिजलीघर को अपने पाते के दिपद में सूचित किए दिना संक्षा  
त्यागने के कारण केन्द्रीय मिनिस्टरियल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण  
और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनु-  
सार जांच किया जाना संयुक्तकरूप में सम्भव नहीं है;

अतः अब अधोहस्ताक्षरी प्रत्यक्षारा केन्द्रीय मिनिस्टरियल सेवाएं  
(वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19  
(11) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तात्कालिक  
प्रभाव में उपरोक्त श्री मुहम्मदन को सेवा में वर्गास्त करते हैं।

के. पी. गव  
मृत्यु अधीक्षक

प्रतिलिपि :

श्री एम. मुहम्मदन,  
पी. नर्तमलाई,  
वाया — अन्नावासल,  
जिला — पुडुक्कोट्टी।

अंतरिक्ष विभाग  
सिविल इंजीनियरी प्रभाग  
बंगलौर-560009, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं. 9/62/81-सि. इ. प्र. (मृत्यु) — अंतरिक्ष विभाग  
में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मृत्यु अभियन्ता, तमिलनाडु  
सरकार के राज्य लोक नियमण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री  
आर. जयरमण को प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर एम. बी. के  
पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 7 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाह्न  
सं आगामी आवेदे तक नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पणिकर  
प्रशासन अधिकारी-।।।  
कृते मृत्यु अभियन्ता

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नहीं दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. ए. 31014/1/79-इ. सी. — इस विभाग की दिनांक  
25-5-81 की जधिसूचना सं. ए. 31014/1/79-इ. सी.  
की क्रम सं. 51 में आंशिक संशोधन करते हुए, क्रम सं. 51  
की सौजूदा प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित करके पढ़ा  
जाए :—

क्रम सं.	नाम	तैनाती स्टेशन
51.	श्री प. सी. वत्ता — वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	प्रेस चन्द्र
		सहायक निवेशक प्रशासन

उत्तरां मंत्रालय

कोयला बान विभाग

कोयला बान, श्रमिक कल्याण मंस्था

धनबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. पी. 8 (25) 67 — कोयला बान श्रमिक कल्याण निधि  
नियम, 1947 के उप-नियम (1) (अ) में दिए गए अधिकारों

का प्रयोग कर कोयला बान श्रमिक कल्याण निधि मलाहकार  
भर्माई प्रत्यक्षारा नियम 3 इन्द्र र संघ, तानाचर, उड़ीसा  
के महा सर्विक श्री पी. के. प्रधान द्वारा भारतीय गण्डीय बान श्रमिक  
महासंघ, धनबाद के महासंघिक श्री प्रम. दाम गुप्ता (जो पद का  
त्याग कर दिए) के स्थान पर नियमित का मध्यस्थ  
नियुक्त करती है, जिसका उपराष्ट्रमंत्री भर्माई-पौ. 8 (25)  
167 दिनांक 23-12-1975 में उल्लिखित है तथा कथित  
अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

‘क्रम संख्या 4-श्री एस. दाम गुप्ता’ के स्थान पर

‘क्रम संख्या 4-श्री पी. के. प्रधान’ प्रतिस्थापित किया जाय।

दामोदर पण्डा

आयुक्त

कोयला बान कल्याण मंस्था  
धनबाद

केन्द्रीय जल आयोग

नहीं दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. ए-19012/931/81-स्था. पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय  
जल आयोग श्री बी. जी. सिन्हा, पर्यावरण को रु. 650-30-  
740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40  
1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक  
इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 12 अक्टूबर, 1981 के  
पूर्वाह्न में श्री माहू की अवधि के लिए या पद के नियमित आधार  
पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी तथा  
तदर्थ आधार पर प्रत्यक्षारा सथानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं. ई 11/इ. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि.—श्री  
यादव राम नागर को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन में  
दिनांक 1-1-1980 से अनुभाग अधिकारी (निपिकवर्गीय) के पद पर<sup>पर</sup>  
स्थायी किया जाता है।

सं. ई. 11/इ. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि./  
—श्री ईश्वर चन्द्र ककड़ को अनुसंधान अभिकल्प और मानक  
संगठन में दिनांक 1-9-1980 से अनुभाग अधिकारी (निपिक  
वर्गीय) के पद पर स्थायी किया जाता है।

सं. ई. 11/इ. एस./सी. एफ. एम./ओ./मिनि./  
—श्री ईश्वर चन्द्र ककड़ को अनुसंधान अभिकल्प और मानक  
संगठन में दिनांक 1-9-1980 से अनुभाग अधिकारी (निपिक  
वर्गीय) के पद पर स्थायी किया जाता है।

ले. क्रा. जे. प्रेम  
महा निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंशालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै. राम रूप जगन नाथ प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. 3383/21448—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मै. राम रूप जगन नाथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दीर्घत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधायित कर दी जायेगी।

डॉ. एन. पेंगु  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं प्रेरणा फायनेन्स प्राइवेट

लिमिटेड, के संबंध में।

रवालियर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

सं. 1157/लिमिटेड./सी. पी./5247/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि प्रेरणा फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड, इन्डॉर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, सण्डपीठ, इन्डॉर के आदेश दिनांक 1 अक्टूबर, 1981 के द्वारा परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है तथा

सरकारी समापक, इन्डॉर को उक्त कम्पनी का समापक नियक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, रवालियर।

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.)/81—श्री अ. रामाकृष्णन, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिल्हे तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में दिनांक 26-9-1981 (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया गया था, दोस्तों, इस कार्यालय के दिनांक 27-8-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.) 81 (11) को अब आयकर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 26-12-1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री अ. रामाकृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्ति किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी. डी. शुग्ला  
अध्यक्ष

प्रकल्प प्राई. डी. एन. एस.----

आयहृष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन एक्जना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. नं. 2907—यतः मुझे, जे. एस.  
अहलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीबिकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से नहीं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुद्दिया के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में किया गया है;

अतः, अब, सक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी अधिकारी :—

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह वासी कोटकपुरा, तहसील और जिला, फरीदकोट। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुमार और प्रेम कुमार सुपुत्र हंस राज सुपुत्र श्री चानन राम व्हारा मैसर्स हंस राज जगदीश राय कमीशन अजेन्ट्स, कोटकपुरा तहसील और जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आदि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्यात्मक अवितर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित जैसा कि दिलेख नं. 558 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलुवालिया  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81  
माहूर : ।

प्रकृष्ट प्राई० टॉ० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवेदन नं. ए. पी. नं. 2908—यतः मुझे, जे. एस.  
अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसे 'पश्चात् उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कठित नहीं हिता गा ॥ हैः—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की रूपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री सरत सिंह वासी कोटक-  
पुरा तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री देस राज और हंस राज सुपुत्र श्री चानन राम  
द्वारा मैसर्स हंस राज जगदीश राय कमीशन एजेंट्स,  
कोटकपुरा, तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्भूत में कोड़ी भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरप्तव्यद्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपूर्ण तथा व्यक्ति जैसा कि विलोक्त नं. 559 दिनांक मई,  
1981 का रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एस. अहलवालिया

सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
बर्जन रेंज, जालन्धर

लारीक्ष : 7-12-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निम्नेव नं. ए. पी. नं. 2909—यतः मुझे, जे. एस.  
अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), को  
धारा 269-घ के प्रधीन सकारा अधिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसाकि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपायद्रव्य अनुसूची में और पर्याप्त-  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीद-  
कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विवित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

1. श्री परमवीर सिंह पुत्र श्री हरीनंद सिंह और धूबचन  
सिंह पुत्र नथा सिंह वासी कोटकपुरा, तहसील और  
जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज द्वारा मैसर्ज  
हंस राज, जगदीश राय कमीशन एजेंटस कोटकपुरा  
तहसील और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के भी परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

संपरित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 578 दिनांक मई,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया  
है।

जे. एस. अहलवालिया  
सकारा प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 7-12-81  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवैशं नं. ए. पी. नं. 2910—यतः मूर्ख, जे. एस.  
अहलुवालिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
कोटकपुरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय फरीद-  
कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1981  
कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त  
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जो/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीण  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ८—

- श्री कुलीदप सिंह पूर्ण श्री सुरत सिंह वासी कोटक-  
पुरा, तहसील और जिला फरीदकोट।  
(अन्तरक)
- श्री बेसे राज और हंस राज पूर्ण श्री चानन राम  
द्यारा मैसर्ज हंस राज जगदीश राय कमीशन एजेंट्स,  
कोटकपुरा तहसील और जिला फरीदकोट।  
(अन्तरिक्त)
- जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहोंगा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 579 दिनांक भर्त  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया  
है।

जे. एस. अहलुवालिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 7-12-81  
माहूर :

प्रस्तुत थाई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, जालन्धर

जालन्धर, १८ दिसम्बर 1981

निवैश नं. ए. पी. नं. 2906—यतः मुझे, जे. एस.  
अहलवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जौसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो  
कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीमां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीरु/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रुर चन्द्र पुत्र श्री शिव राम द्वारा मैसर्ज शिव  
राम, सुरेश कुमार, कोटकपुरा तहसील और जिला  
फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण और हीरा लाल सुपत्र श्री गंगा राम  
द्वारा मैसर्ज सुरता भल गंगा राम, कोटकपुरा तहसील  
और जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रजित रहता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को, तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 196 दिसंबर अप्रैल,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया  
है।

जे. एस. अहलवालिया  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज़, जालन्धर

तारीख : 7-12-81

मोहर :

प्रतिपत्ति आर्ड. टी. एच: एस. -----

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए एस. आर/81-82/269—यतः मुझे, आनंद सिंह आर्ड आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है, तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वर्ष में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. श्री जसपाल सिंह पूत्र सोहन सिंह 39 लारेंस रोड अमृतसर और ब्लॉचन सिंह और किरपाल सिंह पूत्र सोहन सिंह वासी 39 लारेंस रोड गजिन्द्र करौ माता और मुख्तार आम।

(अन्तरक)

2. डा. अमृताल सिंह पूत्र डा. इशर सिंह कोठी नं. 29 गवर्नर्सेंट कालोनी, अमृतसर।
3. जैसा उपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सकाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही प्रयृ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग प्लाट का जो 299.9 व. मी. है जो माल रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डॉक नं. 271/6-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आर्ड आर एस  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए.एस.आर/81-82/270—यतः मुझे, आनंद सिंह आई.आर.एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं.एक प्लाट है तथा जो माल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अमृतसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गजिन्द्र कौर विभवा सोहन सिंह 39 लारसे रोड, अमृतसर, मुख्तार आम जतिन्द्र कौर और लखाबीर कौर पुत्रियां सोहन सिंह वामी 39 लारसे रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

2. डा. अमृतलाल सिंह पुत्र डा. इशर सिंह कोठी नं. 29 गवर्नर्मेंट कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का रता है।

तत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग प्लाट का जो 229.9 व. मी. है जो माल रोड अमृतसर में है जैसा कि सेन डीड नं. 270/6-4-81 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई.आर.एस  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्रध्याय बाह्य. टी. ए. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन ज्ञातना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए एस आर/81-82/271—यतः मुझे, आनंद  
सिंह बाह्य आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
वीर जिसकी सं. एक प्लाट गांव तग पाहन सब अवैत बटाला रोड  
अमृतसर है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाधेध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है वीर मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संक्षिप्त का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नालिखित उत्तरवेद्य से उक्त अन्तरण प्रतिक्रिया में अन्तर्निहित  
रूप से अधिकता नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हरे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—

3—406GT/81

- श्री हजारा सिंह सूरस सिंह, निवासी तुगा पाई तह-  
सील ब जिला अमृतसर।  
(अन्तरक)
- श्री रनधीर कुमार खाना पुत्र रतन चन्द दसौदा सिंह  
रोड अमृतसर।  
(अन्तरिती)
- जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- ओर कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी कान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में संरिभाप्रित  
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममृतसरी

एक भूमि का प्लाट 3259 व. ग. जो गांव तंग पाई सब  
अवैत (गली बाके बिहारी लाल) बटाला रोड के दूर अमृतसर  
में है जैसा कि सेल डीड नं. 643 तिथि 9-4-81 अमृतसर  
में दर्ज है।

आनंद सिंह बाह्य आर एस  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, अमृतसर

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए प्रभा/81-82/272—यतः मम्भे, आनन्द  
सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है  
और जिसकी में भूमि जो है तथा जो गांव गुलेलड़ा में स्थित  
है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मम्भे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवैक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
र्कर्ता (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से है किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, लिपाने में  
मतिधा के लिए;

यतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री किशन सिंह पत्र हजारा, सिंह पुत्र जय सिंह गांव  
गुलेलड़ा तहसील जिला गुरदासपुर।  
(अन्तरक)
- श्री विलावर सिंह पुत्र कांधारा सिंह पुत्र किशन सिंह  
गांव गुलेलड़ा तहसील जिला गुरदासपुर।  
(अन्तरिती)
- जैसा उक्त पर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- ओर काई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पर्कित नं. 152 नं. का आई भी आवधि।—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय से  
दिया गया है।

अनुसूची

कण्ठ भूमि 25 कनाल 5 मरले जो गांव गुलेलड़ा में है  
तहसील व जिला गुरदासपुर में है जैसा कि सेल डीड नं. 152/  
8-4-81 गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई आर एस  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-11-81  
मोहर :

प्रश्न आई. टी. पर. पर. ----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज, अमृतसर  
 अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निदर्शन नं. ए. एस. आर./81-82/273—यतः मुझे,  
 आनन्द सिंह आई आर एस,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. 1/2 भाग मकान नं. 2029/8 है, तथा जो  
 बाजार टोकरिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
 कारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981  
 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 शतांश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप में कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जित्थे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ वस्तीर्ती इवाना प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
 में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, वर्धातः:—

- श्री राम सिंह पुत्र भगत सिंह, बाजार गली टोकरिया  
 अमृतसर।  
 (अन्तरक)
- श्री प्रान नाथ पुत्र राम परकाश कटड़ा भाई संत सिंह  
 अमृतसर।  
 (अन्तरिती)
- जैसा कि उपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- और काई।  
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 है, वही वर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान खाना शुभारी नं. 2322, 2332/19,  
 2092/19 व 2029/8 जो बाजार टोकरियां अमृतसर में हैं  
 जैसा सेल डीड नं. 522/8-4-81 रजिस्ट्री अमृतसर में दर्ज  
 है।

आनन्द सिंह, आई आर एस  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख 24-11-81  
 मोहर :

प्रकाश नं. ३०६ ई० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूची

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निवेदित सं. ए. एस. आर./81-82/274—यतः, मूल्य, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 भाग मकान का है तथा जो बाजार दोकरियां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी की कार्यालय अमृतसर में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभतरण से हुई किसी प्राय की बावत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बैन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अप्रति:—

1. श्री राम सिंह पुत्र भगत सिंह बाजार व गली दोकरियां अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री प्रान नाथ पुत्र राम परकाश, कटडा भाई संत सिंह अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्तर नं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूझ है)

को यह सूची बाहर करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यालयिक कस्ता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप:—

- (क) इस तृप्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सकारात्मक होती हो, के भीतर पूर्णकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तृप्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं. 2029/28 जो बाजार व गली दोकरियां अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 521/8-4-81 अमृतसर में कर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 24-11-1981  
मोहर:

प्रस्तुत वाइ. दी. पन. एस. -----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, 18 नवम्बर 1981

निवैश सं. ए. एस. आर/81-82/275—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक दृकान है तथा जो गली तवाड़ियां अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का उक्त अधिनियम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे, लक्ष्यमान प्रतिफल का गहरा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

1. श्री अद्युष्या नाथ पूर्ण दया राम, 20, रेस कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिक)

2. श्री हरी सरन नरिंद्र कुमार, सुरिन्द्र कुमार बिविन्द्र कुमार पूर्ण करम चंद, चौरस-ती अटारी, अमृतसर।

(अन्तरिक)

3. जैसा कि उल्पर नं. 2 में कोई किरायेशार है।  
(वह अधिकत, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. और कोई।  
(वह अधिकत, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ज्ञानेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रधान में दिया गया है।

मनूसनी

बुकान नं. 3650/11 और 275/11-28 एम. सी. ए. जो गली तवाड़ीयां बाजार, चोरस्ती अटारी अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 1480/22-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3-चन्दपुरी, अमृतसरतारीख 18-11-1981  
मोहर [■]

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अनुक्रियां, वर्तमान हैं—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदित सं. ए. एस. आर./81-82/276—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमी का प्लाट है तथा जो जेल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सूशी राम पुत्र जय चंद्र, करियना महरा पल्ली डा. सूशी राम सूशील कुमार महरा पुत्र डा. सूशी राम 14 जेल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार, अजय कुमार पुत्र चूनी लाला कट्टा दूलौ, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

एक प्लाट 325 वर्ग गज है जो जेल रोड अमृतसर में है जैसा सल डीड नं. 1002/15-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में धर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3-चन्द्रपरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदैैश सं. ए. एस. आर./81-82/277—यतः मूल्य, आनन्द सिंह, आइ. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन 'अमृतसर प्राधिकारी' को, यह विष्वास करने का कारण है कि नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. एक दूकान है तथा जो गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में नामनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय था किसी भूमि या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 नं. 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एवोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिन था लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:—

१. श्री शारी लाल सूत रिखी गाम निवासी, अमृतसर, कटड़ा पुरजा, अमृतसर।

(अन्तरक)

२. श्रीमती लीला बती पत्नी मनमा राम निवासी कटड़ा परजा, अमृतसर।

(अन्तरिकी)

३. जैसा कि उक्तर नं. २ में कोई किरायेदार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रत्यक्त गांवीं और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

१/२ भाग में दूकान नं. 1745 और नं. 1844 और नं. 1989 और 90/४ छला समारी जो गुरु बाजार में है जैसा कि सील डीड नं. 1425/१ ता: 21-४-1981 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस.  
संशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, 3-चन्द्रपरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

माहूर :

प्रधान आई. डी. एस. पर्सन्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण

अर्जन रोड, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

मिवर्डेश सं. ए. एस. आर./81-82/278—यतः मर्भे, अमृतसर सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अमृतसर 1981

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नालिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कारण से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती उमा देवी विधवा मनमाहेन नाथ शर्मा कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती कोशलया देवी मूद, पत्नी शमशेर सिंह सूद मकबूल रुड़े, अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में कोइ निरायदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोइ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितमहध है)

को यह सूचना ज्ञारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमहध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

तारीखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1403 और नं. 1403-ए -10 जो कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 1062/16-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, 3-चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 26-11-1981  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 369-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदित नं. ए. एस. आर./81-82/279—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने पा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- सरये से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटरा धोर सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को एवं उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अमृतसर (अन्तरकों) और अमृतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिफल निवेदित में वास्तविक रूप से विधि नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बायत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग गार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पाया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

अतः वा. सक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-व की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतू—

4—406GI/81

1. इंद्रा शर्मा विधवा करिश्मा कुमार शर्मा, वासी कटरा धोर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोशलया देवी सूद पत्नी शमशेर सिंह सूद, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरणेश्वार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबहुध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1403 ओ. र. नं. 1403-ए/12-10 जो कटरा धोर सिंह, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 1061/16-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.,  
सक्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख 26-11-1981

मोहुड़

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए.एस.आर./81-82/280—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्टरी शेड है तथा जो आवादी किरणा  
कार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री धरवीर पुत्र चंद मल उक्त चंद लाल, बासी कूचा  
पंडिता ग्राम बाजार, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश कुमारी परनी दिल्ली मोहन मलहोना  
कटड़ा भाई संत सिंह, गली गुजरां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया  
है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी शेड जो आवादी किट इसलामाबाद,  
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 2080/30-4-1981  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981  
मोहर [■]

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेद्या नं. ए. एस. आर./81-82/281—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसी सं. एक फैक्टरी घोड़ है तथा जो आबादी किरणा  
कटि, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ने दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में  
सुविधा के लिए;धृतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,  
मैं, उक्त-अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)  
के प्रधीन, निम्ननिखित अवित्तियों, अर्थात्:—1. श्री धरवीर पुत्र चांद मल उक्त चंद लाल, वासी कूचा  
पंडिता गूर बाजार, अमृतसर।

(अमृतसर)

2. मैसरज बिज मोहन मलहोत्रा एंड कंपनी, बुद्ध  
भालेवाला इसलामाबाद, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके तुर्बोक्त सम्पत्ति के ग्रंथालय के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर तुर्बोक्त  
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रयोगाय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी घोड़ जो आबादी किलम कोट इसलामाबाद,  
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 2081/30-4-1981  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3 चैक्रप्र०री, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981

मोहर :

प्रथम आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/282—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाली प्लाट है तथा जो जी.टी.रोड़,  
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसन्धी में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वाचित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हृहै किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बार्यत्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या दिनी धन या अन्य अर्थस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरंजन सिंह पूर्व जीवन सिंह द्वारा करतार  
सिंह पूर्व जीवन सिंह, इस्ट मोहन नगर, अमृतसर।  
(अंतरक)

2. श्री गरचरण सिंह कपूर पूर्व बूटा राम, वासी कोट  
बाबा दीप सिंह, अमृतसर मालक मैसरेज यू. नीसन  
पेनस कोटबाबा दीप सिंह, अमृतसर।  
(अन्तरिरी)

\*3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ल) ए. एस. आर.एस. के राजपत्र की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याकृतयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन बाद अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
दिनांक या दिनांक से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

लिखीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और वहाँ का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 4 कनाल 1 मरला जो जी.टी.रोड़,  
5 और 6 कि.मी. के बीच जालंधर की तरफ, अमृतसर में  
है जैसा कि सेल डीड नं. 675 तिथि 10-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 ब्रैफप्रूरी, अमृतसर

तारीख : 24-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निवेदा सं. ए.एस.आर./81-82/283—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी योग्य है विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो बंसत एवं अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, ऐसे उत्तमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजिन्द्र सिंह पूर्व उत्तरार सिंह, वासी तहसील पूरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्द्र कांवेर पत्नी भगवंत सिंह, वासी जोड़ा पीपल, गली देवी वाली, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर में 2 में कोहर्द किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग एक कोठी नं. 412 जा 105 व.ग. है जो बंसत एवं अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 1901/29-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, 3 अंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 21-11-1981  
मोहर :

प्रभुप्रभाई. टी. एन. एस.-----

बाबूकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निवेद्या नं. ए. एस. आर./81-82/284—प्रत: मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो बसंत एवं वसंत, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, - या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी आना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अब, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की जपथारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी तम्हसील  
पुरा, अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी जोड़ा पीपल,  
गली द्वेषी वाली, अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आधा भाग एक कोठी नं. 412 और 105 व.ग. है जो बंसत  
एवं वसंत, अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं. 685/10-4-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 21-11-1981  
मोहर :

प्रकृत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 23 नवम्बर 1981

निवैस सं. ए. एस. आर./81-82/285—यतः भ्रम्भे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. एक हमारत है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिशत से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के दीप्त ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्णियत्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नटः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ८—

(1) श्रीमती माल कौर विधवा जगीरी मल खना सारंसे  
रोड, अमृतसर।  
(अन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल खना पुत्र जगीरी मल खना, लारंसे  
रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममूसूची

20 प्रतिशत भाग फैक्ट्री विल्डिंग जो बटाला रोड, अमृतसर  
में है जैसा कि सोल डीड नं. 1572/23-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3, चंडीगढ़ी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981  
मोहर :

प्रक्षेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/286—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर. एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हासमे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. 2 कनाल भूमि है तथा जो गांव साली, तहसील  
पठानकोट में स्थित है (और हासमे उपादान शनसची में और पर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी याग या किमी शन या अन्य आमिनियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री राजेश्वर प्रकाश पत्र सुमेर चंद यासी ढांगू रोड, पठानकोट।  
(अन्तरक)
- (2) श्री चमन प्रकाश पुत्र सुमेर चंद, यासी ढांगू रोड, पठानकोट।  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 भी कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समाई भी हितवद्धि है)

क्वां यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट भूमि का जो 2 कनाल है और जो कि गांव साली तहसील पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड नं. 261/21-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3, चंदपुरी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निम्नेष नं. ए.एस.पी./81-82/287—यतः मर्फे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. सं अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि है तथा जो पठानकोट में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
द्वे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—406GI/81

(1) श्रीमती दिम्बजा बहित पस्ती जम्म प्रकाश पूर्ण मुमेर चंद  
ठांग, रोड, पठानकोट।  
(अन्तरक)

(2) श्री राजेश्वर प्रकाश पूर्ण मुमेर चंद, वामी ठांग रोड,  
पठानकोट।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिलिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त होता जो उस बधाय में दिया  
गया है।

### मृत्यु

एक भूमि का प्लाट एक कलात, 13 मरला, 193 फट जो  
एक हस्त, पठानकोट, मूनिसिपल कमेटी के बीच है जैसा कि  
सेल डीड नं. 262/21-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठान-  
कोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, 3, चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 23-11-1981

मोहर :

प्रख्युप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. एस. पी./81-82/288—यतः मुझे, आराद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो महला ऑकार नगर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारितः—

(1) श्री पूरन चंद पुन घेली राम, वासी ऑकार नगर, गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंचल महाजन पतिन सरिंद्र नाथ, वासी ऑकार नगर, गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान 6 मरले जो ऑकार नगर, गुरदासपुर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 560/29-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुरदासपुर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3, चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981  
क्रमांक :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रूप, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. एस. पी./81-82/289—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.टी.आर.एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पचास 'उचित अधिनियम' कहा गया है), कि धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. एक जापदव है तथा जो कोट बाबा दीप सिंह  
में स्थित है (वौ इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र रतन सिंह, वासी बाजार चूहड़,  
बेरी गलर अहदवाजा, अमृतसर व त्रिलोचन सिंह पुत्र  
दलीप सिंह, वासी आकादी इस्ट मोहन नगर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलविंदर सिंह बबर पुत्र गुरबस्ता सिंह वासी चूहड़  
बेरी, गली अहदवाजा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर नं. 2 में कोई किरायेवार हो, बनवारी  
लाल, पना लाल, जगदीश राज सुनयार, सुरजीत  
सिंह, मनजीत सिंह, साखु सिंह।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाब या संस्कृत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मकान नं. 3800/29 जो 90 व. ग. है जो कोट बाबा  
दीप सिंह बाजार नं. 1, अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं.  
1226/20-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

बालंद सिंह, आई.टी.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रूप, 3, चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 21-11-1981

मोहर :

यतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. एस. आर./81-82/290—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. एक जायदाद जो बाजार चूहड़, बेरी कटड़ा,  
करम सिंह, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे  
उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विवरित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981  
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधीनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्री चौधरी करतार सिंह पूर्ण शेर सिंह, रानी का बाग,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दरशन लाल पूर्ण मदन लाल, वासी गांव चुगावा  
तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

अनुसूची

1/2 भाग विनिष्ठा का जो 37 1/2 व.मी. है जो बाजार  
चूहड़ बेरी कटड़ा, कर्म सिंह, अमृतसर में है जैसा कि मन डीड  
नं. 3026/तिथि 15-5-81 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अमृतमर  
में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, ३, चंद्रप्री, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

माहूरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/291—यतः मुझे, जानंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक जायदाद है तथा जो बाजार चूहड़ बेरी, कटड़ा करम मिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को प्रारंभिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चौधरी करतार मिंह पुत्र शेर सिंह, गानी का बाग, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री लाजपत राय पुत्र महेन लाल, वासी गांव चूगावा, तहसील अजनाला, जिना अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर से 2 में कोई किरायेदार हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदध है)

को यह सूचना जारी करके प्रारंभिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रारंभिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/2 भाग बिल्डिंग का जो 37 1/2 व. मी. है जो बाजार चूहड़ बेरी, कटड़ा कर्म सिंह, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 1722/तिथि 24-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

जानंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, 3, चन्दपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981  
माहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजै, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए० एस० आर०/81-82/292--यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० एस०,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक शेष है तथा जो वरका, अमृतसर में स्थित  
है (जोर इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल  
1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मेसरज मार्डन टेक्सटाइल मिल्स, वेरका, द्वारा  
श्री शाम सुंदर प्रत्न चूमी लाल, वासी वेरका, अमृत-  
सर।

(अन्तरक)

(2) मेसरज टी०एस० डाइंग व प्रिंटिंग मिल्ज, द्वारा  
सत पाल प्रत्न तुलसी राम कटरा, दूलो, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकरी  
जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाश्वत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग फैक्ट्री शेड ससरा नं. 1346 जो वेरका, अमृतसर  
में है जैसा सेल डिल नं. 1533/23-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजै, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. एस. आर./81-82/293—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अधिनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. एक शेड है तथा जो वेरका, अमृतसर में स्थित  
है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,  
1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स दी मार्डन टेक्सटाइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड  
कंपनी, द्वारा श्री शाम संवर पुत्र जूनी लाल नायर,  
डाइरेक्टर कंपनी, वासी वेरका, अमृतसर।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स टी. एस. डाइग व प्रिंटिंग मिल्स द्वारा  
सत पाल पुत्र तुमसी राम, कटगा बूलो, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कैब्ल्सी शेड, ससरा नं. 1346 जो वेरका, अमृत-  
सर में है जैसा सल्ल डीड नं. 1001/15-4-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3, चन्दपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए.एस.आर./81-82/294—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एम.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्ट्री है तथा जो बेरका, अमृतसर में  
स्थित है (और इसमें उपावदध अनमूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
धारासंकेत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथसे भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री शाम सुंदर मेयर पुक्क चूनी साल मेयर, आसी बेरका  
मूक्षतार खास दी माइर्न टेक्सटाइल मिल्स प्राइवेट  
लिमिटेड, बेरका, (अमृतसर)।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टी. एस. डाइग व शिंटिंग मिल्स, बेरका,  
अमृतसर राही श्री संत पाल पुत्र तुलसी दास, कटरा  
दूलो, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि जाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण** :— इसमें प्रधानत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4भाग फैक्ट्री शेड, लसरा नं. 1346 जो बेरका, अमृत-  
सर में है जैसा कि सेल डील नं. 10473/3-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुत बाई. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 26 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/295—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक फैक्ट्री है तथा जो वेरका, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—406GT/81

(1) श्री शाम सुंदर नेयर प्रति चूनी लाल नेया, वासी वेरका  
मुख्यालय सास दी माडने टेक्सटाइल मिल्स, प्राइवेट  
लिमिटेड, वेरका (अमृतसर)।

(अन्तरक)

(2) श्री सत पाल प्रति तुलसी दास कटरा दूलो, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हैं।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्युत है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्युत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग कैक्ट्री शेड, खसरा नं. 1346 जो वेरका,  
अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 2434/7-5-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, 3, चन्द्रग्रन्थी, अमृतसर

तारीख : 26-11-1981  
मोहर

प्रस्तुप् आइ० टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेदित नं. ए. एस. आर./81-82/296—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आइ० आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो दर्रीगियाना आवादी,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृत-  
सर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धरम पाल पुत्र छोटू मल, वासी फरीदाबाद, अब  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व त्रिपता रानी पत्नी  
नरिन्द्र नाथ, वासी 17-बी, रेस कोर्स रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममतूची

1/3 भाग मकान नं. 219/13 जो आवादी दर्रीगियारा,  
अमृतसर में वर्ज है जैसा सेल डीड नं. 793/10-4-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आइ० आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3, चन्दपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981  
माहर :

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सत पाल पुत्र छोटू मल, वासी हरी नगर, जिला  
कठुआ, जम्मू कश्मीर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व विप्रता शनी पल्ली  
नरिन्द्र नाथ, 17-बी, रेस कोर्स रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रूज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/297—यतः मूर्ख,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं: एक मकान है तथा जो दूरगियाण आबादी,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख, अप्रैल, 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिति में  
सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करदा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/3 भाग, मकान नं. 219/13 जो दूरगियाण आबादी,  
अमृतसर में है जैसा कि सेत डीड नं. 791/तिथि 14-4-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रूज़, 3, अन्नपूरा, अमृतसर

तारीख: 27-11-1981  
महर:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए.एस.आर./81-82/298—यतः मेरे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो दूरभियाण आबादी,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावधं अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

हो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पूर्ण  
प्रतिभाव अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यस नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः क्षम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज रानी पत्नी रोधान लाल, वासी हीरा  
नगर, जिला कठुआ, जम्मू काश्मीर।  
(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र अमर नाथ व त्रिपता रानी पत्नी  
नरिन्द्र नाथ, 17-बी, रेस कोरस रोड, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

\*4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त कालों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं. 219/13 जो दूरभियाण आबादी,  
अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं. 792 तिथि 10-4-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 27-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/299—यथा: मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर.एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो मेकलाड रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसंधी में और  
पूर्ण रूप में विनियंत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

वह धूदार्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कृति तथा निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ लिखी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यह अन्तरण अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री राम प्रकाश मदन लाल पत्र किशन दास, प्लाट नं.  
5, द्वारा प्रेम सागर अग्रवाल पुत्र बेटी राम अग्रवाल  
वासी लदमनसर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जें सिंह पत्र राम भिंह मेकलाड रोड, साल  
बेटी बिल्डिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।  
पंडित बैज नाथ हायर सेकेंडरी स्कूल  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

4. श्री धर्मन लाला और कार्हे।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्मिलित है हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्मिलित के अधिन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्मिलित के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जो लाल देवी बिल्डिंग के नाम से जानी  
जाती है जो मेकलाड रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड  
नं. 483/8-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में  
दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर.एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एस.एस.-----

व्यापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### उच्चत उच्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए.एस.आर./81-82/300—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.टी.एस.

व्यापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो मेकलाड रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्याय अनसनी में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

[(क) उच्चार से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

[(ब) एकी किसी बाय या एकी धन या वस्तु वार्सिंगरी  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
प्राकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
था वा वा किया जाना चाहिए वा जिसने ने  
प्रतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा '(1)'  
में, नौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा '(1)'  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम प्रकाश, मवन लाल पुत्र किशन दास, प्लाट नं.  
5, द्वारा प्रेम सागर अमृतसर, वासी लछमनसर,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री करनेल सिंह पुत्र राम सिंह, मेकलाड रोड,  
लाल देवी बिल्डिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
पंडित बैंज नाथ हायर सेकंडरी स्कूल  
श्री मवन लाल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उच्च समरित के उच्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की वर्तिया तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तिया, जो भी  
वर्तिया वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ब) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक बिल्डिंग जो लाल देवी बिल्डिंग के नाम से जाना  
जाती है जो मेकलाड रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड  
नं. 484/8-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में  
दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.टी.एस.  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981

मोहर :

प्रकट भाई० टी० एन०, एस०—

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

निदै० नं. ए. एस. आर./81-82/301—या०: मैंने, आनंद सिंह, आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्री प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो मेकलाउ रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायदूध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाद करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं उक्त प्रविनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणतः—

1. श्री राम प्रकाश, मदन लाल पूर्व किशन दास, प्लाट नं. 5, करिश्मा भवन, बंबई द्वारा प्रेम सागर जनरल अटार्नी।

(अन्तरक)

2. श्री जर्नल सिंह पूर्व राम सिंह, मेकलाउ रोड, लाल देवी बिल्डिंग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो। पंडित बैज नाथ हायर सेकंडरी स्कूल श्री चमन लाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तक्सवंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम अधिकारी द्वारा, पूर्वानुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा बैठें।

एवं दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जो लाल देवी बिल्डिंग के नाम से जानी जाती है जो मेकलाउ रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेल नं. 485/8-4-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई०आर०एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रौज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-12-1981  
मोहर :

प्रकृत आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए.एस.आर./81-82/302—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.टी.ए.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक बिल्डिंग है तथा जो कटरा शेर सिंह,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिष्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः :—

1. श्री सर्वधाम चतुरथ पुत्र छूनी लाल चतुरथ, ग्रीन  
एवनिय, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री ज्याला दास पुत्र राम चंद, किशन लाल पुत्र राम  
चंद, सुभाष चंद पुत्र राम चंद, कटरा शेर सिंह,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
अबनाथ कपूर, बलैती राम, सुबास फलवाला और  
बलवीर चंद और अबराम।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में वो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के 20-क में व्यापारिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग नं. 1532/ X-II-II जो कटरा शेर सिंह,  
अमृतसर में है जैसा कि सेल ईड नं. 515/8-4-1981  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.टी.ए.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीख : 30-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुत ग्राहक टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निवैदेश नं. पी. आर. नं. 1492 अर्जन रंज 23-1/81-82—यह: मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर र. नीति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, बिल्डिंग है तथा  
जो शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (और उससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी की कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित से  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येकार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
मर्मिता के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—  
7—406GI/81

(1) श्री मणिलाल हाकेमचंद्र उडानी के/ओ एम. सुकेमचंद्र  
अन्ड कप्पनी, 216, डा. भंशारकर मार्ग, लैम्पुरदग  
रोड, वोम्बे-7।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन जे. शाह, श्री जयकिंशु जयंतीलाल  
शाह, शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बैत के अर्जन को लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्बैत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बैत में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
मिलित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभ्र  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो शेरी नं. 3, पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित  
है, कुल क्षेत्रफल 161-4-72 वर्ग यार्ड है तथा जिसका पूर्ण  
वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीष्ट नं. 2332/81/1-4-81  
में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 4-12-1981  
मोहर:

प्रस्तुप्राप्त दी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भारत सरकार

अर्जन रॉज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1491 अर्जन रॉज 23-१/81-  
82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. फ्लेट नं. बी-7, काहननगर सोसायटी है तथा  
जो शेरी नं. 7-9 पंचनाथ प्लाट शेरी, राजकोट में स्थित है (और  
इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-४-८१  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप में किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; <sup>प्रौद्योगिकी</sup>

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात् <sup>प्रौद्योगिकी</sup>

(1) श्री दिनेशकुमार वेनीवंद कोठारी, सुगान्डा रोड,  
पोरबंदर

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल पोपटलाल दावडा, फ्लेट नं. बी-7,  
करननगर को. जो. हा. सोसायटी लिमिटेड, शेरी  
नं. 7/9, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्तयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तयों में ने किसी अवित्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अशेषदृस्तावती के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. बी-7, करननगर सोसायटी, जिसका कुल क्षेत्रफल  
950 वर्ग फिट, तथा जो शेरी नं. 7/9, पंचनाथ प्लाट, राजकोट  
में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता  
बिक्रीबंद नं. 2717/10-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-१, अहमदाबाद

तारीख ४-१२-१९८१  
माहूर

प्रकाश भारती एन.एस.प्रेस्स

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसंबर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1490 अर्जन रोज़ 23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 136/1 पैकी है तथा जो रेया रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 14-4-1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृक्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जमीन जिसका संख्या नं. 136/1 पैकी कुल क्षेत्रफल 554-8-0 कर्म याड़, जो रेया रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट राजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2804/14-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

(1) शीलादेव केशवलाल शीदे के/ओ श्री रुद्रावत्ता जे. रावल, बुवनगर, धूव पलटेस, रेया रोड, राज-कोट

(अन्तरक)

(2) भासालाल नानजीभार्ड सोलकी, 2 करनपारा, राज-कोट

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निवेश न. रफ. नं. पी. आर. नं. 1489 अर्जन रेज  
23-1/81-82—जात: मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स. अंगत अपार्टमेंट में फ्लेट, शेरी नं. 22 है।  
सभा जो जागनाथ प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इससे उप-  
बद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 2-4-81  
को पूर्वीक्षण संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किरी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिनमें में सुविधा  
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्रीमती भानुमती कर्मदालाल समानी (2) राजेन्द्र<sup>१</sup>  
गोविंदजी कारीया की ओर से श्री कर्मदालाल लक्ष्मी-  
वास समानी 15, सरकारनगर, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ताबेन अमरशी भाई लोरन्ना 22, न्यू आग-  
नाथ प्लॉट, राजकोट

(अन्तरिती)

वे मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जन्मसूची

अंगत अपार्टमेंट में फ्लेट, शेरी नं. 22, जागनाथ प्लॉट,  
राजकोट में स्थित है। कल क्षेत्रफल 1102 वर्ग फीट है तथा  
जिसका पूरण बरणन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रिति नं. 2477/  
2-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 4-12-1981

मोहर:

प्रत्येक शार्दूली १० रुपये १० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अर्जन रेज़, अहमदाबाद

निदेश नं. रेफ नं. पी. आर. नं. 1488 अर्जन रेज़ 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 330-331 प्लाट नं. 18 पैकी सब प्लाट नं. 18 वी है। तथा जो धोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से क्रियत कर्त्ता किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वज्रने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत है—

(1) डा. यशवंतराम हरीशंकर भाइ<sup>१</sup> उक्तरी आशीर्वाद अन्नी विसन्त रोड वर्ली, बोम्बे

(अन्तरक)

(2) मैं वलोसीटी फॉरजींग की ओर से भागीवार-वीठल-सौंग खटावाभाइ<sup>२</sup> जाहेज़ा। धेवर रोड, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकें।

स्थगीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्याय होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अन्तरिती

जमीन जिसका सर्वे नं. 330-331, प्लाट नं. 18 सब प्लाट नं. 18-वी, कुल क्षेत्रफल 750-3-0 वर्ग यार्ड है, तथा जो टेबर रोड राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकलित नं. 3181/24-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-१, अहमदाबाद

तारीख: 4-12-1981

गहर ५

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०—

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवेश न. रफ. नं. पी. आर. नं. 1487 अर्जन रॉज  
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पाइया तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थानीय संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में  
अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे नं. 294-3 टी पी. एस 6, एफ. पी. नं.  
345 है। तथा जो पैकी पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (अतः  
इससे उपाबूध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-4-81  
को पूर्खीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से रूपित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बत्तों में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

(1) श्री बंदुलाल मन्नीलाल पटेल श्री ज्याबेन बंदुलाल  
पटेल गांव फतेहपुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) महेन्द्रपार्क बेपार्टमेन्ट्स ऑनर्स असोसियशन प्रमुख-  
गीताबेन देवराजभाई पटेल, पारूल फ्लैट, सट्टलालज-  
राड आंषावाडी, अहमदाबाद  
(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस पूर्खीत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमतम्भी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खीत  
अवधियों में ये किसी अवधिन द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवधि द्वारा, अब्दोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम,  
के प्रधाराय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रथे  
होंगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

धनसूची

खुली जमीन पालडी अहमदाबाद में स्थित है, सर्वे नं. 294/3  
टी. पी. एस., 6, एफ. पी. नं. 345 पैकी कुल क्षेत्रफल  
742 वर्ग याड़ है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रीजि-  
स्ट्रीकर्ता बिक्रीखित नं. 3499/15-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981  
मोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री परसांतेमदास प्रभुभाई उफे प्रभुदास राजगार चोरी, सरसपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अंशालाल रामसंगणी ठाकोर गांव-बोडकदेव तालका दमफोरे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवेश न. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1486 अर्जन रॉज-1/81-82—जत: मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3, बाडकदेपे  
है। तथा जो तालुका दसकोई, जीला-अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबृह अनसूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-81  
को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्राप्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित मर्ही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;  
जौर/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्योक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो बोडकदेव सीम में स्थित है, सर्वे नं. 68-1,  
68-2, 68-3 ऐसी जिसका कुल क्षेत्रफल अकेले 1-7.5 गुणा  
है तथा जिसका पूर्ण अर्जन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीरण नं.  
4184/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-11-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदेश सं. रेफ. नं. पी.आर. नं. 1485 अर्जन रेज़ 23-1/81-82—यह मुझे, जी. सी. गर्फा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा-  
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संवेद नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी है,  
तथा जो बोडकदेव सीम तालुका वसफोर्ट में स्थित है (और इससे  
उपायदेव अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अप्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण = से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भम या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा त्रक्त नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जल्द: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री भरत कुमार परसोत्तमदास प्रभुभाई उफै प्रभुदास,  
शनगार शेरी सरसपुर, अहमदाबाद।
- श्री भरत कुमार परसोत्तमदास संगीर एल. एच. श्री  
परसोत्तमदास प्रभुभाई उफै प्रभुदास, शनगार शेरी  
सरसपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)
- श्री अंबालाल रामसंगजी अफोर गांव-बोडकदेव,  
तालुका वसफोर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप ॥—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यास्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो बोडकदेव सीम में स्थित है, जिसका संवेद नं.  
68-1, 68-2, 68-3 पैकी कुल क्षेत्रफल एकर 1-7-5 गृंथा  
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं.  
4185/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्फा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-11-1981  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवैष सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1484 अर्जन रॉज 23-1/81-82—यस: मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी है,  
तथा जो बोदकदेव तालूका-दसफोर्ट में स्थित है (और इससे  
उपावदध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषय से करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक का में सवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस्तु:—

8—406GT/81

1. श्री रनछाडलाल परमोत्तमदास (एच. यु. एफ.)  
और अन्य शनगार शेरी, सरसपुर अहमदाबाद  
(अन्तरक)
- (2) श्री अंषालाल रामसंगजी ठाकोर गांव-बोदकदेव तालूका-  
दसफोर्ट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूथ किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन बोडकदेव सीमाएं स्थित हैं, जिसका सर्वे नं. 68-1,  
68-2, 68-3 पैकी कुल क्षेत्रफल एकड़ 17.5 गुंडा है। तथा  
जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीर्त नं.  
4983/16-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-1-1981

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, उहांशक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवैश न. रफ. नं. पी. आर. नं. 1483 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः म्रैफे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दर्शाये गए, उक्त अधिनियम जारी नहीं है), जी. सी. गर्ग 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहम घरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं. सर्वे नं. 792 पैकी 1/3 शेर है। तथा जो मकरका सीम, जीला-अहमदाबाद में स्थित है (अंर इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप गं. वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-81

को जो पूर्वोत्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल न तिनि अन्तरित की गई है और उसे गं. विवाहम घरने का कारण है कि यथापूर्वोत्ता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर दरने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविक कार्यालय—का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, जिसने में संविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आत्माराम विठ्ठल भाई पटेल और अन्य, महत्वपूरा, सीटी तालुका, जिला-अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री करसनभाई फूलाभाई अंबावाडी, केशवभूवन, अहमदाबाद (1) श्री तलजाभाई फूलाभाई गांव तेली, महसाना (अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोत्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, तो भीतर पूर्वोत्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी वा पास लिखित में किए जा सकते।

सम्बन्धीकरण:—इसमें श्रेष्ठ सद्व्यवहारों वाले पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा पर्याप्तिकृत हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन ग्राम प्रकरबा सीममें स्थित है, सर्वे नं. 792, जिसका कुल क्षेत्रफल एकड़ 4-33 पैकी 1/3 शेर, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 3504/3-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-1-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को भारा  
२६९-प्र (१) के अधीन सूचना

भारत राज्याद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक २८ नवम्बर १९८१

निवेद्या न. रफ. नं. पी. आर. नं. १४८२ अर्जन रोज़ २३-१/८१-८२—अतः भूमि, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इन्हें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भाग २६९-प्र  
के अधीन सभी प्राधिकारी का, यह विवाह करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति विषया उद्दित वातावर मूल्य २५,०००/  
रुपये में अधिक है और

और जिसकी सं. सर्वे नं. ४७५/२ है। तथा जो थलतेज आम  
मौम जिला-अहमदाबाद तालुका दमफोर्ड में स्थित है (और इसमें  
उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, २३-४-८१  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजा मूल्य से दस के दृश्य  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और पुस्ते यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजा  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाणा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से कुई किसी धार्य की वापत, उक्त  
अधिनियम के प्रतीत रूप देने के अन्तरक के  
वायिले में कमा करने वा उसके बचने में सुधारा  
के लिए अदै/या;

(इ) केसी रिंग, धार्य वा कर्सी वा या अन्य प्रकृतियों  
को, जिन्हे आरप्रैय आयकर प्रधानमयम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोजनार्थं प्रतीतिनी डारा प्रकट नहीं किया  
जाया या या किया जाना चाहिए था, उसमें में  
मुश्किल के लिए;

यह अब, उक्त अधिनियम की भाग २६९-प्र के प्रन्तस्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग २६९-प्र की उपचारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित अप्रियतयों अर्थात्:—

(१) नारनभाई वीरभाई बारांठ गांव-थलतेज, तालुका-  
दमफोर्ड जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(२) श्री अशेवलाल गामसंगभाई चौधरी (२) लालजीभाई  
गामसंगभाई चौधरी (३) गणेशभाई गामसंगभाई  
चौधरी (४) शीवाभाई रायसंगभाई चौधरी मंमतगर,  
महादेव मंदिर के नजदीक, सिटी सालुका जिला-  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उपलब्ध के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उपलब्ध से कोई भी व्यक्तिः—

(क) इस सूचना के शब्दपत्र में व्यक्तान की तारीख ५  
४५ दिन को अवधि या तस्वीरस्ती व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से ३० दिन की अवधि, जो या  
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भावार पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से यिन्होंने व्यक्ति द्याया;

(ख) इस सूचना के शब्दपत्र में व्यक्तान ही तारीख से  
५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्याया, अबोद्धस्ताभी के पास  
निवारा भेजिए जा सकेंगे।

लक्ष्यदृष्टिरूप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

जमीन, थलसेज सीम में स्थित है, जिसका सर्वे नं. ४७५/२  
जिसका कुल क्षेत्रफल एकर ०-३८ गंडिया है, तथा जिसका पूर्ण  
वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं. ४५०३/२४-३-८१  
में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-१, अहमदाबाद

तारीख: २८-११-१९८१  
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (नियुक्ति)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवैश सं. रफ. नं. पी.आर. नं. 1481 अर्जन रोज़ 23-1/81-82—यतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-म के अधीन सभी समस्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. सर्वे नं. 68/1, 68/2, 68/3 पैकी है,  
तथा जो बड़ुकदेव, तालुका वसफोर्ड में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1981

पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पृथक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (बन्तारुकों) और अन्तरिती  
(बन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथित में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगकार्य अन्तिमी ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की संभावा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मनीषेन परसोत्तमदास परजूभाई उर्फे प्रभादास  
शनगार शेरी, सरसपुर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. अंषालाल रामसंगजी ठाकुर गांव-बड़ुकदेव, तालुका  
वसफोर्ड, जिला अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

बते यह सूचना आरु कुरुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सभात होती है, वे भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाय  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में एसाप्राप्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 68-1, 68-2, 68-3 पैकी जिसका  
कुल क्षेत्रफल एकर 1-7.5 तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं. 4182/16-4-81 में दिया गया  
है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (नियुक्ति)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-1981

माहूर :

प्रस्तुत जाइ, टी. पन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

1. श्री आत्माराम बोलभाई पटेल और अन्य महनामपूरा, सीटी तालुका, जिला-अहमदाबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री सरतानभाई वेरसीभाई गांव वस्त्रापूर, सीटी तालुका जिला-अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदेश सं. रफे. नं. पी. आर. नं. 1480 अर्जन रॉज़  
23-1/81-82—अतः मझे, प्री. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 392 चौकी 1/3 शेर है, तथा जो  
मकरबा सीम, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उप-  
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 30-4-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जो भी/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जमीन जो गाम मकरबा सीम, सर्वे नं. 792, जिसका कुल  
क्षेत्रफल एकर 4-33 चौकी 1/3 शेर तथा जिसका पूर्ण वर्णन  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीलाता नं. 3506/3-4-1981 में  
दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तथा वह, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

तारीख : 28-11-1981  
माहर :

प्रश्न अंक. टी.ए.ए.क्षा.-----

बापकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवेदा सं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1479 अर्जन रोज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी के यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 792 चैकी 1/3 शेर है, तथा जो मकरबा सीम जिला—अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायदध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमात्र प्रतिफल से, एवं द्वयमात्र प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निर्दित वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अक्षिलयों को, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री आत्माराम विठ्ठलभाई पटेल और अन्य महान-पुरा, सिटी टालूका, जिला—अहमदाबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री रानछोड़भाई लीलाभाई गांव-वस्त्रापुर, सिटी टालूका, जिला—अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रियल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव मकरबा सीम सर्वे नं. 792 है, जिसका कुल क्षेत्रफल एकर 4-33 चैकी 1/3 शेर, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं. 3505/3-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीखः 28-11-1981  
मोहरः

प्रकल्प आइ.टी.एन.एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निर्देश सं. रेफ. नं. पी. आर. नं. 1478 अर्जन रॉज 23-1/81-82—अतः म.भै. जी. सी. गर्म, सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सी. एस. नं. 714 चैकी 472/1 टीका नं. 35, एस नं. 19 है, तथा जो सी. एस. नं. 746 कारीया रोड, अमरेली में स्थित है (और इसमें उपावहन्ध अन्सून्ची में बीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से एसें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वर्तने में सहित के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आवेदनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा. छिपाने में सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री मधुसदन रनीलाल वालीय 553, सदनेवाला रोड, भाटुंगा, बोम्बे-19।  
(अन्तरक)  
2. (1) श्री किशोरभाई व.वे (2) श्री मुकेशभाई माईम-भाई व.वे, कारीया रोड, मधुकुंज, अमरेली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नियमानुसार सम्पत्ति करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित नियम में कोई भी अपेक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नात्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र-बहु लिखी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, नहीं वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में विया गया है।

### मधुसदन

मकान जो 'मधुकुंज' नाम से प्रचलित है, जिसका सी. एस. नं. 714 है, जिसका कल क्षेत्रफल 810 वर्ग भीटर है आर. एस. नं. 292/1 सी. सी., एस. नं. 746 चैकी 520 वर्ग वार्ड, तथा जो कारीया रोड, अमरेली में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन अमरेली रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखाता नं. 581/अप्रैल, 1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)  
अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-11-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री शारदा नरभेराम पारेख, पारेख बिल्डिंग, कनक रोड, 22, करनपरा, राजकोट।  
(अन्तरक)
2. श्री वीरनेन्द्रकुमार कनुभाई डोसी 66, अक बरीया रोड, नोर्थ कलकत्ता।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेदा नं. रफे. नं. पी. आर. नं. 1477 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिते इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 76-2, प्लाट नं. 12 है। तथा जो गांव,  
नानामावा, जिला - राजकोट में स्थित है (और इससे उपावदध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्ताविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कूल क्षेत्रफल 697-1-0 वर्ग गार्ड है, सबं  
नं. 76-2, प्लाट नं. 12, तथा जो गांव नानामावा, जिला  
राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरण राजकोट रजि-  
स्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 3192/24-4-81 में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81  
मोहर : ४

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 27 नवम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1476 अर्जन रंज-23-1/81-82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 85/1 प्लाट नं. 43 है। तथा जो गांव पौपा, जिला राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध बन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिरक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(र) प्रतिरक्षण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ष) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, प्रर्यात:—

9—406GT/81

1. श्री मनसुखलाल केशवलाल पारसे पैलेस रोड, बाल-कृष्ण निवास, राजकोट।  
(अन्तरक)
2. (1) प्रकुलावेन प्रवीणचन्द्र वसानी, (2) ज्योत्सनाबेन सुरशकुमार, (3) इलावेन भरतकुमार, 7 रधुवीर-परा, राजकोट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्गिती अन्तरिती द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 637-4-72+692-4-72 वर्ग यार्ड है, सर्वे नं. 85/1, प्लाट नं. 43, तथा जो गांव रौपा जिला राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरण राजकोट राजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 2361 और 2362/22-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्म  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, अमहदाबाद

तारीख : 27-11-81

मोहर [ ]

प्रस्तुप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1475 अर्जन रॉज  
23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. सीट नं. 421 सी. नं. 1, नं. 7/5801 है  
तथा जो मांडवी प्लाट, गॉडल रोड, राजकोट में स्थित है (और  
इससे उंपाडवध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राज-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
3-4-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दोषान्वय में  
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीर्या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पणः—

1. श्री युसुफ अली एच. कापड़ीया, 105/107, जी-  
टीमकर स्ट्रीट, बोम्बे।

(अन्तररक)

2. श्री (1) अशोक हरिशंकर और अन्य कल्याण सोसाय-  
टी 'सुन्दरवीला' राजकोट, (2) मे. प्रेसीशन प्रोड-  
क्ट्स 'सुन्दरवीला', कल्याण सोसायटी, राजकोट।  
(अन्तर्राष्ट्रीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकते;

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 724-0-36+550-0-0 वर्ग  
याड़ है, सीट नं. 421, सी. नं. 1, नं. 7/5801 तथा  
जो गॉडल रोड, मांडवी प्लाट राजकोट में स्थित है तथा जिसका  
पूर्ण वर्णन राजकोट राजस्ट्रीकर्ता दिक्कीत नं. 2398 और  
3399/3-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, अमहदाबाद

तारीखः 27-11-81

मोहरः

प्रकृष्ट थाईँ. टी. एवं. एस. बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. रफे. नं. पी. आर. नं. 1474 अर्जन रंज  
 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्व,  
 आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 192, 216-692, प्लाट नं. 1095 है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाख्यात अनुग्रही में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-4-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री धरमशी भावजी, कोनल रांड, राजकोट।  
(अन्तर्रक)
2. श्री बंको फाउन्ड्री एन्जी. वर्क्स की ओर से श्री लालजी करमशी भाई अंजी उद्योग वसारन, राज-  
कांट।  
(अन्तर्रिती)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त संपर्क के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थानीकरण** :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

100

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 980 वर्ग यार्ड है जिसका सर्वे नं. 192-216-692 तथा जो राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता शिक्कीखत नं. 1851/4-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
संस्थायक आष्टकर आयुर्ल (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अमलदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात्:—

तारीख : 27-11-81

मीमुर ३

प्रकृष्ट आइ. टी. एन. एस. ——

प्रधान अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अमहदाबाद

अमहदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निवेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1473 अर्जन रेज 23-1/81-82—अतः मृझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व 6 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मार जिसकी सं. प्लाट नं. 9, सब प्लाट नं. 3 (3) है तथा जो योगीवन्दना एरिया, सहकार नगर रोड, महीला कालेज हॉस्टल के नजदीक मैं स्थित है (और इससे उपावहूध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-4-81

कर्त पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूप उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यूनतम से प्रतिक्रिया है और अन्तररक्त (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है:—

(र) अन्तरण में हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी ज्ञन या ग्रन्थ प्राप्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्त्यों, अवत्त्:—

1. श्री दीनेश भगवान जी नाथवानी 'भंगलम', 27, प्रह्लाद प्लाट, प्रह्लाद रोड, राजकोट।  
(अन्तरक)

2. श्री रमनलाल मनीलाल शाह, 107, टाउन क्वार्ट्स, टाटा कैमिकल्स लिमिटेड भीहीचुर, जिला - जाम - नगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर, गांडों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका प्लाट नं. 9, सब प्लाट नं. 3 (3), जिसका कुल क्षेत्रफल 125.44 वर्ग मीटर, तथा जो योगीवन्दना एरिया महीला कालेज के नजदीक राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकरण बीकिसत नं. 2712/28-4-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अमहदाबाद

तारीख: 27-11-81  
मोहर:

प्रकाश प्राइंटी एन०एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-क(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1981

निदेश नं. रफ. नं. पी. आर. नं. 1472 अर्जन रेंज  
23-1/81-82—अतः भूमि, जी. सी. गर्फा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इन एवं उन 'उक्त प्रधिनियम' हाया गया है), की धारा 269-क  
के अधीन सत्त्व प्रविशारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से  
अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 388 है तथा जो रेलवे स्टेशन के  
नजदीक, राजुला, जिला-अमरली में स्थित है (और इससे  
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, राजुला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981  
को पूर्वानुसूचित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
यादा यादा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तुतः रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रमाण में हुई कियी आय की धारा, उक्त अधिनियम : यथोर इन के प्रत्यक्ष के वायित्र में  
कमों करने या उपयोग के लिए;  
उपयोग

(ख) यो निम्नों आय की किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने  
में भुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूजामाई\* रानीगभाई ठंडडा प्रीया डूंगरा,  
राजुला।

(अन्तरक)

2. श्री अनंतराय दुर्लभधाम डोसी जवाहर रांड, राजुला,  
जिला - अमरली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वानुसूचित सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यानुसूचियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना भी  
तामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुसूचित व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानस्ताक्षरी के पास लिखित  
में कए जा सकें।

संदर्भ नाम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

मीलकत जिसका संख्या नं. 388, जो रेलवे स्टेशन के नजदीक  
राजुला, जिला अमरली में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण  
वर्णन राजुला रजिस्ट्रीकर्ता विकल्पित नं. 1550/अप्रैल 1981  
में दिया गया है।

जी. सी. गर्फा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर बायक्ट (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

माहूर :

प्रूप जाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 27 नवम्बर 1981

रेफ. नं. पी. आर. नं. 1471 अर्जन रेज़ 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मौलिकत मकान है। तथा जो स्टेशन रोड,  
धांगद्वा, जिला - लधाव में स्थित है (और इससे उपादवध अनु-  
सूची में और पर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, धांगद्वा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-81  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) वारे अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कर्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
कर्त संकीर्त नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः—

1. श्री वरजोरजी नवरोजजी पालीया और अन्य माछली  
पीठ वाडीया स्ट्रीट, सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मंजीभाई ए. पटेल, (2) श्री करमशी  
शीवजी, (3) श्री गोपाल शीवजी पटेल, (4) श्री  
नारन वी. पटेल और अन्य गांव - धावडा जिला-  
काली।

(अन्तरिती)

कर्त यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया भूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रौंच भी आकेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जाहोरस्ताकरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुष्ठानी

मकान जो स्टेशन रोड पर स्थित है भांगधा में, जिसका  
कुल क्षेत्रफल 1432 वर्ग मीटर है तथा जिसका पर्ण वर्णन  
भांगधा बिक्रीकरण रजिस्ट्रेशन नं. 431/8-4-81 में दिया गया  
है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-81

माहूर :

प्रस्तुप्राप्ति. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

निम्नें सं. सी. आर. 62/30573/81-82/एक्वी. बी. ——यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नियमित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 275/ए और 275/बी है, तथा जो राजमहल, विलास एक्सटेन्शन, बंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981 को पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नित में व्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9-386G/81

(1) दिवंगत श्रीमती तायम्मा वीरनगौडा की इच्छापत्र का उत्तरसाधक है, (1) श्री एम. रामन, पी. ए. होल्डर है, श्री के. टी. चंद्र, (2) श्री के. टी. चंद्र, मद्दुर, मंडया (डी.)।

(अन्तरक) (2) श्री एन. श्रीराम राष्ट्रीय, सं. 28-29 में रहनेवाला यमुना बार्ड रोड, माधवनगर, बंगलूरु-1।

(अन्तरिती) (3) दि चीफ इन्स्पेक्टर आफ वारशीप इक्वीपमेंट, दक्षिण जोन, 275/ए और 275/बी, राजमहल, विलास एक्सटेन्शन, बंगलूरु।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मंजुमृती

(दस्तावेज सं. 30/81-82 ता. 1-4-1981)  
यह सम्पत्ति है, जिसके सं. 275/ए और 275/बी, राजमहल एक्सटेन्शन, बंगलूरु।

मंजु माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, बंगलूरु

तारीख : 5-12-1981

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/30576/81-82/एक्वी  
बी.—यह: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कार्पोरेशन सं. 5, भूमि सं. 22 है, तथा जो  
कुमारकोट, 1 कास, कुमारकुपा रोड, बंगलूर में स्थित है  
(जो इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में  
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 27-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उक्त दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दें लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री विहारीलाल होलाराम मैंचा, (2) श्री  
गिरिधारिलाल होलाराम मैंचा, दोनों थी  
होलाराम मैंचा के पुत्र हैं, उन्होंने 22-5, कास  
कुमारकुप रोड, बंगलूर में बस सेहे हैं।  
(अन्तरक)

(2) श्री दौलतराम धर्मदास पु. /के. धर्मदास 59, आस-  
बार्न रोड, अलसूर, बंगलूर-42  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्रमूलकी

(दस्तावेज सं. 402/81-82 ता. 27-4-81)  
कार्पोरेशन सं. 5, भूमि सं. 22 में है, कुमारकुप लेबाउट  
1 कास, कुमारकुपा रोड, बंगलूर में स्थित है।  
उत्तर में—भूमि सं. 23  
दक्षिण में—भूमि सं. 21  
पूर्व में—एक रोड  
पैशेश में—कम्पाउण्ड वीवार-निजि संपत्ति का।

मंजु माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 5-12-1981

मोहर :

प्रस्तुप आहु. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निवेदित सं. सी. आर. नं. 62/31787/81-82/ए. सी. क्यू. बी.—यतः मूझे, मंजू. माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके अधिकारी उक्त अधिनियम कहा गया है), भी धारा 269-ष के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. सं. 631/1 टि. एस. सं. 491/1 और आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. 491/1 तथा निर्माणका सं. 5-9-1009/1 से 5-9-1009/12 तक है, तथा जो मंगलूरु सिटिकार्पोरेशन के काम्बला वार्ड, कोडियल ब्लेगांव में स्थित है (और इससे उपाकृद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मंगलूरु सेटि में रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे, यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कपो रहने या सुमें बनने में सुविधा के लिए;

पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षा:—

—406GI/81

(1) श्री एम. पद्मसाम राव, पुक्के बैकट राव, मर्चेण्ड अशोक नगर, मंगलूरु-6।

(अन्तरक) (2) 1. जनाब मोहम्मद शाफिक, 2. श्रीमती वीपांतसा मं एक की पत्नि, डा. मि. पि. हबीब किलनर, मंगलूर, जि. पि. पकड़ने वाले, इनके प्रवर्शन करने वाले हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अपने होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मंगलूरु

(वस्तावेष सं. 82/81-82 तारीख 15-4-81)  
भूमि आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. सं. 491/1-7 1/2 सेन्ट और आर. एस. सं. 613/1, टि. एस. सं. 491/1-7 1/2 सेन्ट मिलकरके 15 सेन्ट, के साथ निर्माण के सं. 5-9-1009/1 से 5-9-1009/12 तक है, वे मंगलूरु सिटि कार्पोरेशन के काम्बला वार्ड, कोडियल ब्लेगांव में स्थित हैं।

उत्तर और दक्षिण—टि. एस. सं. 491/1 का एक भाग है  
पश्चिम—राज मार्ग  
पूर्व—टि. एस. सं. 490/1

मंजू. माधवन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, बंगलूरु

तारीख : 7-12-1981  
सील :

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निदर्श सं. नं. सी. आर. 62/31791/81-82/ए. सी.  
क्यू. बी.—यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. 43/1 है, तथा जो चोकसंद्र गांव, यशवंतपुर  
होबली बंगलूर, उत्तर तालुका बंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर, उत्तर तालुका में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 13-9-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पायर गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती कुसुम सिंह नामजोशी, एस. सं. 43/1,  
चोकसंद्र गांव, यशवंतपुर, होबली, बंगलूर उत्तर  
तालुका, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री ए. पी. महेता, (2) श्री जे. ए. महेता,  
(3) श्री डी. ए. महेता, सं. 195, अप्पर  
पेलेस, आरचरडम, बंगलूर-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्थी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सविधा के लिए;

(वस्तावेज सं. 819/81-82 ता. 13-4-1981)  
पर संपत्ति है, जिसका एस. सं. 43/1, चोकसंद्र गांव,  
यशवंतपुर, होबली, बंगलूर उत्तर तालुका।

मंजु माधवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, बंगलूर

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 7-12-1981  
मोहर :

प्रह्लाद चाहै, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद  
हैदराबाद, विनांक 2 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 208/81-82—यतः मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करते का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 16-2-46/1 है, जो मलकपेट, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी काय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तवैं  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, सं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् ३—

(1) डा. एन. रामचंद्रा रेडी पिता एन. रंगा रेडी,  
बरमींग हास, यू. के., जी. पी. ए., श्री नारे  
सारथ पिता डा. एन. रामचंद्रा रेडी, आफिसर,  
वभीर सुलतान देवाको कं., स्टाफ क्वार्टर्स, रोड  
नं. 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद समीउल हक पिता महम्मद अब्दुल हक,  
जब्दाह, सउवी अरबीया, जी. पी. ए., श्री  
मोहम्मद अब्दुल हक पिता मोहम्मद अबीबूल हक,  
16-2-46/1, अकबर बाग, मलकपेट, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ द्योगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

घर और भूमि नं. 16-2-46/1, अकबर बागौं मलकपेट,  
हैदराबाद। विस्तीर्ण 681.94 जी. गज। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख  
नं. 2167/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 2-12-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 3 दिसम्बर 1981

निवार्ष सं. आर. यं. सी. नं. 209/81-82—यतः  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो पीरफादीगुड़ा, हैदरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, उप्पल में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरती (अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(1) श्री टी. रामच्या बौधरी पिता लेट लक्ष्मी पेरुमल,  
घर नं. 294, तारनाका, हैदराबाद।  
(अन्तरक)(2) श्रीमती एम. इब्रीरा रेड्डी पति श्री एम. शशीदर,  
28, लालानगुडा, सिकंदराबाद।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहाए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;कृषि भूमि, 3 एकड़, सर्वे नं. 64, पीरफादीगुड़ा गांव,  
हैदराबाद पूर्व तालुका, हैदराबाद जिला। रजिस्ट्रीकर विनेम नं.  
1325/81 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, उप्पल।एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-घ के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—तारीख : 3-12-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एस. प्रसन्ना राजू पिता डा. पी. राजू और अन्य, 41 स्वस्तीक रोड, शांतीनगर, बंगलार।  
(अन्तरक)

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेसर्स प्लाटीनम कन्स्ट्रक्शन्स, बाइ उमरावलाल गुप्ता, चारकमान, हैदराबाद।

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 210/81-82—यतः  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी मं. 3-6-138 है, तथा जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही यथ होगा जा उस प्रध्याय में विधि गया है।

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एम. सी. एच. नं. 3-6-138, हीमायतनगर, हैदराबाद।  
विस्तीर्ण 969.70 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलोक्त नं. 1935/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।एस. गोविन्द राजन  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ८—

तारीख : 3-12-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी नं. 211/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3-6-138 है, तंथा जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रांतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक लें वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः—

(1) श्री एस. प्रसन्ना गाजू पिटा डा. एस. पी. राजू और  
अन्य, 41 स्वर्सीक रोड, शांतीनगर, बंगलोर।  
(अन्तरक)  
(2) मेसर्स प्लेटीनम कन्स्ट्रक्शन्स, बाइ उमराबलाल गुप्ता  
चारकमान, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धर. एम. सी. एच. नं. 3-6-138, हीमायतनगर, हैदराबाद। विस्तीर्ण 480. श्री. गज, रजिस्ट्रीकूत विलेख नं.  
2001/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-12-1981  
मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निवेश सं. ये. सी. नं. 212/81-82—यतः मूर्ख,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. खुला प्लॉट है, तथा जो बंजारा हिल्स हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख ५ फ्रिल, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्या प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था स्थिति में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:—

(1) श्री बद्रुद्दीन त्याजी पिता लेट फैज बी. त्याजी,  
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री सौ. बंजनव्या रेड्डी, पिता नरसीम्हा रेड्डी,  
3-6-212, हीमायतनगर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्थानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं. 5, सर्वे नं. 129/62, बंजाराहील्स,  
हैदराबाद। विस्तीर्ण 1012 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत वित्त नं.  
1666/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ८८० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

१९७४ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निवेश सं. आर. य. सी. नं. 213/81-82—यत मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ष्ठ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. खुली जमीन है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपालद्ध अन्नसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रिल, 1981

को एवंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रो और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिच्छल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में युविष्टा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ष्ठ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बद्रुदीन त्याजी पिता लेट फैज दी. त्याजी,  
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री एम. लक्ष्मी नरसीम्हा रेड्डी पिता लेट राघव  
रेड्डी, 4-5-398, मलतान बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरीक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधेन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्नसूची

खुली जमीन नं. 4, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5,  
बंजाराहील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1173-37 घा. गज।  
रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 1638/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1981

मोहर:

प्रूफ आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. य. सी. नं. 214/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो नल्लाकुट्टा, हैदराबाद में  
स्थित है (और इसमें उपाबृंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) ने वीन एवं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
पत्ति निम्नलिखित द्वितीय में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(घ) अन्तरण में हैर्ड किसी शब्द की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हृद्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् ८—

1—406GI/81

(1) श्रीमती सुमित्रा वाई हारीनाम नर्मीया, 4-2-400,  
मूलतानथाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) पद्मा को-आपरेंटीज्हा हूतमीग मोसाइटी निः  
1-8-702/51, नल्लाकुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोरस्ताश्री के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5,500 चौ. गज, नल्लाकुट्टा, हैदराबाद  
में स्थित है। जिसका सर्वे नं. 76 से 79 और सर्वे का भाग  
नं. 12, बार्ड नं. 8 है। रजिस्ट्रीकूर विलेख नं. 1699/81।  
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 विसम्बर 1981

आर. ए. सी. नं. 215/81-82--यतः मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' या या दी गया है); को धारा  
269-प के अधीन समाप्त व्यक्तियों पर यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय व्यक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संभूति है, तथा जो नल्लाकुट्टा, हैदराबाद में  
स्थित है (और इसमें उपावदाश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख एप्रिल, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्दृढ़  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं लिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के व्याप्ति में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी रिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिणने में  
सुविधा के लिए।वृत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती सुमित्रा बाई नारानीया, 4-2-400,  
नल्लाकुट्टा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) पद्मा के-आपरेंटिव हाउसिंग सोसाइटी लि.,  
1-8-702/51, नल्लाकुट्टा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरनीय व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताशरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सूली जमीन विस्तीर्ण 5824 चौ. गज, नल्लाकुट्टा, हैदराबाद,  
सर्वे नं. 76 से 79 और सर्वे नं. 12, वार्ड नं. 1,  
ब्लॉक नं. 8 में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1700/81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबादतारीख : 4-12-1981  
मोहर :

प्रमुख आई० डी० एन० एस०--  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. य०. भी. न०. 216/81-82—यतः मूर्ख, एस.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नुमा प्लाट है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) श्री बद्रददीन त्याजी पिता लेट फहज बी त्याजी, 8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री एम. नरसीम्हाप्पा पिता वेंकट रामप्पा, पोट्टी श्रीरामलूनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सुनी जमीन नं. 6 सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजारा-हील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1157.22 चौ. गज। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद। विलेख नं. 1758/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981  
मोहर

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 217/81-82—यतः मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर्त्ता यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खुला प्लाट है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

खुला प्लाट नं. 6, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजारा-  
हील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1183 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं. 1774/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

यतः यतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बद्रुद्धन त्याजी पिता लेट फहज बी त्याजी,  
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री पी. एल. संजीव रेड्डी पिता पी. लक्ष्मण,  
प्रीत्सेस विला, चीराम अली लेन, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाक में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तारीख : 4-12-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ए. सी. नं. 218/81-82—यतः मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो बंजाराहील्स, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भंपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(नन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए हय आय गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(1) श्री बद्रुद्दीन त्याजी पिता लेट फहज बी त्याजी,  
8-2-407, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री बद्रुद्दीन त्याजी पिता लेट फहज बी. त्याजी  
8-2-406, रोड नं. 6, बंजाराहील्स, हैदराबाद,  
श्री बी. बाबू राव पिता पूलत्या, रीम्मना पूर्णी गांव,  
तालुका पास्तुर, जीला कोडगा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध एकी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—

अनुसूची

खुला प्लाट नं. 5, सर्वे नं. 129/62, रोड नं. 5, बंजारा-  
हील्स, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1066-29 चौ. गज। रजिस्ट्री-  
कूर विलेख नं. 1776/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

प्रस्तु आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री आर. कोटस्वराराय पिता आर. रामम्या, यल्ला-  
रेड्डी गुडा, हैदराबाद  
(अन्तरक)  
(2) श्री के. अंजी रेड्डी डाक्टर, पिता के गोक्ट  
रेड्डी पंजागुटा, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 219/81-82—यतः मुझे, पम.  
गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संभूति का भाग है, जो फ़ैल पेट, गांव हैदराबाद  
स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अप्रैल, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हैर्ड किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वारीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुधारिः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों कहुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा  
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लाट का भाग सर्वे नं. 129/67, शेकपेट गांव, हैदराबाद।  
विस्तोर्ण 1173 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2465/81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1981

मोहर :

प्रलेप बाहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद; दिनांक 5 दिसंबर 1981

आर. ये. सी. नं. 220/81-82—यतः मुफ्त, एस.  
गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय संघीयता जिम्ला सर्विस बाजार में 25,000/-  
रु. रो अधिक है  
और जिम्ली सं. भूमि है, जो गोलूर, इब्राहीमपटनम तालुक  
में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट लिथिदारी के वर्गीकरण, इब्राहीमपटनम  
में भारतीय रजिस्ट्रीलिंग अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, अप्रैल, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यात्म प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित रद्ददेश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में भ्रिंक्षा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) (1) श्री अमज्जी हारीदास कोटेचा पिता श्री हारीदास  
जी कोटेचा, (2) श्रीमति भानमात वसंती कोटेचा,  
5-9-22/42 और 43, आदर्श नगर, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) सैसर्स माथ वाग अलोयास माथ श्रेय गार्डन, 22-5-  
191, पट्टलवाडी लेन, गुलबारहाऊजस, हैदराबाद-2  
मनोजीगपार्टनर श्रीमति सर्वीता महेंद्र, सूर्यधी पिता  
श्री महेंद्र मदनलाल।  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए  
कार्यवाहीहृत्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
लिखित में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 15 एकड़, 4 गुंठे, सर्वे नं. 259 और 2  
जो गोलूर तालुक, इब्राहीमपटनम रंगारेड्डी जिला में स्थित है।  
रजिस्ट्रीकॉर्ट विलोव नं. 360/81 रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी इब्रा-  
हीमपटनम।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1981  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 221/81-82—यतः मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो साहेबनगर, कर्ल, आर.  
आर. जीला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद पूर्व में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अन्तरण  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बोमाडी नागर्या अलीयास नारी रेडी, पिता  
नरसीम्हा रेडी
- (2) बी. धरमा रेडी पिता नागर्या
- (3) बी. लक्ष्मीकांता रेडी पिता धरमा रेडी
- (4) बी. सुनीता पिता बी. धरमा रेडी
- (5) बी. अनीता पिता बी. धरमा रेडी
- (6) बी. उरसीला पिता बी. धरमा रेडी
- (7) बी. नरसीम्हा रेडी पिता नागर्या
- (8) बी. यादी रेडी पिता नरसीम्हा रेडी
- (9) बी. रंगारेडी पिता नरसीम्हा रेडी
- (10) बी. माधव रेडी पिता नरसीम्हा रेडी
- (11) बी. पून्यम रेडी पिता नागर्या

- (12) बी. भोजरेडी पिता पून्यम रेडी
- (13) बी. ओम रेडी पिता पून्यम रेडी
- (14) श्रीनीवास रेडी पिता पून्यम रेडी
- (15) क. आरुण पिता पून्यम रेडी
- (16) बी. भाग्यम रेडी पिता बी. नागर्या
- (17) बी. भालरेडी पिता बी. भाग्यम रेडी
- (18) क. इंदीरा पिता बी. भाग्यम रेडी
- (19) क. संधा पिता बी. भाग्यम रेडी
- (20) जकीदी यादव्याख्यास यादी रेडी
- (21) जे. रथ्यशाम रेडी पिता जे. यादव्या
- (22) जे. राजकीरण रेडी पिता जे. यादव्या
- (23) जे. राजकमार रेडी पिता जे. यादव्या
- (24) जीता अंजी रेडी पिता नारायण रेडी
- (25) जे. राजशेखर रेडी पिता लंजी रेडी
- (26) जे. सुरेंद्र रेडी पिता अंजी रेडी
- (27) क. सुनीता पिता अंजी रेडी
- (28) क. अनीता पिता अंजी रेडी

सभी साहेबनगर गांव, हायातनगर तालुक, रंगारेडी  
जिला के ग्रामीणी हैं। और

- (29) मेसर्स स्वर्स्ट्रीक एंटरप्राइजेस, 2, लालबहादुर  
स्टेडीयम, हैदराबाद आह। (1) घटा राधाकृष्णन्ना,  
गुडी अन्नास, हैदराबाद और (2) के. प्रभाकर  
रेडी, अलगाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- मेसर्स भाग्यलक्ष्मी को-आपरेटीव हाउजींग सोसाइटी  
टी. ए. बी., 76 रजिस्टर्ड अफिस, 1-1-192/  
2, चौकडपल्ली, हैदराबाद, अध्यक्ष श्री के अंजया  
पिता लेट कीस्ट्या।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षवारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची** :

भूमि विस्तीर्ण 38 एकड़, 4 गांडे, मर्वे नं. 52 से 57,  
69 और 70 साहेबनगर, कर्ल गांव, हायातनगर तालुक,  
रंगारेडी जिला। रजिस्ट्रीकित विलेस नं. 2749/81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, हैदराबाद पर्व।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 222/81-82—यस: मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 5-8-28/1 है, तथा ओवरीबाग, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-406 GI/81

(1) (1) मोहम्मद महबूब बेग पिता लेट इब्राहीम बेग,  
(2) मोहम्मद मजहूर बेग पिता महबूब बेग, (3)  
मोहम्मद मुजफर बेग पिता महबूब बेग,  
(4) मोहम्मद महबूब अली पिता महबूब बेग,  
(5) मोहम्मद शूलफकरे बेग पिता महबूब बेग,  
19-3-380, शाहा अलीबड़ा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती शारदा बाई पिता नारायण राव गम्भा,  
(2) श्री राजेस्वरराव पिता नारायण राव गम्भा,  
(3) श्री संतोष कुमार मुख्ता पिता नारायण राव  
गम्भा, 4-8-757, गवलीगड़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### लक्षण

अर. नं. 5-8-28/1 का भाग। नया नं. 5-9-29/3/10,  
बाहीर बाग, हैदराबाद। विस्तीर्ण 300 भी. गज। रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख नं. 1750/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 दिसम्बर 1981

निक्षेप नं. आर. ये. सी. नं. 223/81-82--यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-व  
के अधीन सम्पन्न आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 5-8-28/1 है तथा जो बक्षीरबाग, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 19 अगस्त, 1981

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अनुमति दी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयाप्रौद्योगिक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल पे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया विनांक निम्नलिखित उत्तर से उक्त 'अन्तरण  
लिखित' में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है :--

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वादत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के  
शायदीय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) एसी किसी प्राय या किसी अन्य आस्तियों  
को अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रशीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपने में  
मुक्तिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. मोहम्मद महबूब बेग और अन्य 4, 19-3-380,  
शाहजली बंडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री नारायण राद गम्मा और अन्य, 4-8-757,  
गवलीगुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
ताये गाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमध्यन्ती अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी मूल्य अविक्त द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीहरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

चर नं. 5-8-28/1 का भाग 1 नया नं. 5-9-29/3/10,  
बक्षीरबाग, हैदराबाद। विस्तीर्ण 150 चौ. फूट। रजिस्ट्रीकर  
विलेल नं. 1751/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रक्रम ग्राइंड ३० रुपौ एस०--

प्राप्ति अधिनियम, 1981 (1981 का 43) का द्वारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 दिसम्बर 1981

निवेदन नं. आर. ये. सी. नं. 224/81-82--पतः मर्फ़े  
एस. गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे  
इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा  
269-प(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपौ में अधिक हैऔर जिसकी सं. बाबल की मील है तथा जो नेलोर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलोर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अप्रैल, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृक्षान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अर अत्युक्त (अन्तरित)  
और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे प्रतिरोध के लिए  
तय दाया या प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी दृष्टि की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्येक के  
दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी दृष्टि या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;पतः वब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प(1)  
में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प(1) की उपलब्धि  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पणतः--

- (1) परवथ रेड्डी वेंकट रेड्डी पिता पेच्ची  
रेड्डी।  
(2) परवथ रेड्डी सीवा मोहन रेड्डी पिता वेंकट  
रेड्डी, 21/20 ए बालाजीनगर, नेलौर।  
(3) मना रामप्पा पिता लक्ष्मण, वग़रू गांव,  
कोउडर तालूक।

(अन्तरक)

- (1) नागरपूर रामकौण्या पिता चीरमा बालप्पा  
(2) नागरपूर कनाया पिता चीरमा बालप्पा  
(3) गुरुभक्त वेंकट रामनप्पा पिता शंकरप्पा  
नवाबपेट, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास  
ज़िक्रित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण--इसमें प्रथम जब्तों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा  
गया है।

## अनुसूची

बाबल की मील, आशोक 1 बाबल की मील, संटीगुन्डा  
रोड, नेलौर के नाम पर। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1277/81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981

मोहर :

प्रकल्प नं. ३० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 विसम्बर 1981

निदर्शन नं. आर. ये. सी. नं. 52/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
है से अधिक है।

और जिसकी सं. 24-8-6 है तथा जो भीमावरम में स्थित है  
(और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमावरम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का है प्रतिशत से  
प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चहोर से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अनुमति कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
वास्तुरिती हारा प्रकट महीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपत्ति (1)  
के अधीन; निम्नलिखित अवित्तियों, अवधारि—

1. श्रीमती कालीदासी सकूतलादेवी पति के, आर.  
एस. बंगाराजुबहादुर, 380, गंधीनगर, डी.  
न. 1-1-38/ए, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डा. एम. बापा राजू पिता लक्ष्मीनरसीम्हाराजू घोर-  
मन, महात्मागांधी मेमोरीयल मेडीकल ड्रस्ट, भीमा-  
वरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि इदाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ब्रोहस्पानी के पात  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, एवं  
वर्ण होगा, जो उन अध्याय में विद्या गया है।

मृत्यु

इमारत का घर नं. 24-8-6, असेसमेंट नं. 278, भीमा-  
वरम। रजिस्ट्रीकूर विलेस नं. 738/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भीमावरम।

एस. गोविन्द राजन

सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 7-12-1981

मोहर:

प्रकल्प प्रार्थि० दी० एन० एस०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. आर. ये. सी. नं. 53/81-82-काकीनाडा  
स्कॉड—यतः मुझे, एम. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. 5-87-133 है तथा जो गुंटुर में स्थित है  
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय गुंटुर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्राक्षीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वार्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अधित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती यलमाचीली आचमम्बा पति सांबसीवराव,  
5-87-133, लक्ष्मीपूरम, गुंटुर।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती यलमाचीली इवरीरा देवी पति एम. जगनमाहन-  
राव, घर नं. 5-87-133, लक्ष्मीपूरम, गुंटुर।  
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रांत के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रांत के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

- (a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वादस में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारियों में से किसी अनियत द्वारा;
- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन-  
दूद किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

सम्पत्ति घर नं. 5-87-133, लक्ष्मीपूरम, गुंटुर।  
रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख नं. 3735/81 रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी,  
गुंटुर।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०--

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवृत्ति सं. आर. ये. सी. नं. 54/81-82--यतः, मुझे, एक्स. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की आदा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. डी. 2655 है, जो मधुरवाडा गांव स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अन्तर्गत, 1981

को पूर्वोक्त वस्तुति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का प्रश्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती (प्रतिकृतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब आय गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित वानविन रूप से कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के विशेष नहीं होने के अन्तरक के वायित्व में कमी होने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

गोरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की आदा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आदा 269-प की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्युक्त--

1. श्रीमती कोरडा सन्याशमा पर्ति वैकटस्वामी नाइडू, वेमुलावलसा गांव, भीमुनीपटनम तालुक ।  
(अन्तरक)
2. श्री क्रीष्णा को. ओपरेटिव हाउस विल्डिंग सोसायटी निं. बी. 1624, मधुरनगर, विशाखापटनम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोमस्तानी के पात्र लिखित में निह आ सकेंगे।

दण्डनीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 3.50 एकम. अनुक्रमांक 329, मधुरवाडा गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2352/81 रजिस्ट्रीकर्ता, वीशाखापटनम् ।

एस. गोविन्द राजन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 8-12-1981

माहेश :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज, हैदराबाद  
 हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्वैश सं. आर. ये. सी. नं. 55/81-82—यतः,  
 मुझे, एस. गोविन्द राजन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. टी.डी. 329 है, जो मधुरवाडा गांव में स्थित  
 है (और इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 अप्रैल, 1981  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या  
 (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
 में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथातः—

1. श्री पीसा अन्नलया पिता लेट चिन्नलया श्री पीसा  
 बंगारलया पिता चिन्नलया, पीलाकामटीपालाम गांव,  
 मधुवाडा पोस्ट।  
 (अन्तरक)  
 2. श्री क्रीष्ण को. ओपरेटिव हूडज बिंग्लिंग सोसाइटी  
 लि. वी. -1624, मधुरनगर।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि और भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

अनुसूची

भूमी विस्तीर्ण 2.25 एकड़, सर्वों नं. 328, मधुरवाडा  
 गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2131/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
 कारी विशाखापटनम।

एस. गोविन्द राजन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज, हैदराबाद

तारीख: 8-12-1981

माहूर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एड.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
 भारत बारेकार्ड  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 दिसम्बर 1981

निदेंश सं. आर. ये. सी. नं. 567/81-82—यतः,  
 मुक्त, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग  
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं. टी. डी. 2655 है, जो मधुरवाडा गांव में  
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप में वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वासपटनम में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
 प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके वृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रिया का  
 पञ्चह अवधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 उत्तम प्रयत्न की गयी गयी अविनाशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अधीतः—

1. सर्वश्री पीसा पाथन्नी पिता लेट बंगारथा श्री पीस  
 चीना सन्यासर पिता लेट बंगारथा, श्री पीस  
 बंगारथा पिता सन्यासी सभी पीलाकोमटीमालम गांव  
 मधुरवाडा पोस्ट के रहीवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री किण्णा कर्म, ओपररॉटव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी  
 लि., बी-1624, मधुरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
 कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी घातेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि वा तस्मानी अवधियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
 भी अवधि वाल म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 अधिकारियों में से नियो अविकर द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितबद्ध किसी अन्य अविकर द्वारा अधोदृश्याकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
 अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिचित  
 हैं, वहीं प्रत्येक होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या  
 गया है।

मृत्यु

भूमी विस्तीर्ण 12.25 एकड़, सबै नं. 329, मधुरवाडा  
 गांव। रजिस्ट्रीकूल विलेख नं. 2137/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 विश्वासपटनम।

एस. गोविन्द राजन  
 सकाम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-12-1981

माहूर :

## प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री मुण्डारामू वेंकटाप्पया, नं. 1-74-12,  
पाटामाटा।  
(अन्तर्गत)
2. श्रीमती एन. वरलक्ष्मा पति संतना, पाटामाटा।  
(अन्तर्गत)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निदेश सं. आर. प. सी. नं. 57/81-82—यन्त्र.,  
मुझे, एन. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं. असेसमेंट नं. 3485 है, जो पाटप्पमाटा में  
स्थित है (और इससे उपानन्द अनुभूति में और पूर्णस्थ से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय विजयगाड़ी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) द्वारा अधीन,  
अप्रैल, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय  
(अन्तरिक्षीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपुः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथापरि-  
भायित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कभी करने या उसके बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी भू या अन्य आईस्टर्स को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया  
पाया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

## मुस्तूबी

सूती जमीन विस्तीर्ण 0.30 सेंटमीटर एवं नं. 2246/  
असेसमेंट नं. 3485, पाटामाटा। रजिस्ट्रीकर्ट फ़िल्म नं.  
3349/8। रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी, विजयगाड़ी।

एस. गोविन्द राजन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख: 8-12-1981

मोहर :

प्रकृत्या वाई.टी.एन.एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 8 विसम्बर 1981

निदर्शन सं. आर. ए. सी. नं. 58/81-82--यतः,  
मृक्षे, एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है, जो वाल्टीयर वार्ड में स्थित है (और  
इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वासापटनम में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

1. श्री जी. पोली रेड्डी पिता लेट नरसीम्हा रेड्डी  
मदीलापालन, विश्वासापटनम।  
(अन्तरक)
2. श्री पी. वैंकट रामाराजू पिता बृंदी राजू, 47-1-  
114, विश्वासापटनम-16।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी वास्तवः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से टिक्की व्यक्ति द्वारा।
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरक से है कि किसी जाय की बीचत, सरकार  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए।  
काउन/वा

(घ) एसी किसी जाय या किसी अन्य या अन्य आस्तवी  
को, जिन्हे भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहिता के लिए।

## मन्त्रपत्री

सूली जमीन विस्तीर्ण 982, चौ. गज। वाल्टीयर वार्ड,  
विश्वासापटनम, ब्लाक नं. 1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2388/  
81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विश्वासापटनम।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-12-1981  
माहर १

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा '(1)'  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

प्रस्तुप् आई. टी. एन्. एंड. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवेद्य सं. आर. ए. सी. नं. 59/81-82—यतः,  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमी है, जो रीसापूपालम में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वासापटनम में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह क्विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तीरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- श्रीमती रेड्नाम नागरत्नमपाल पति वेंकट सुब्राह्मण्य  
25-12-37, वडा स्ट्रीट, विश्वासापटनम ।  
(अन्तरक)
- श्रीमती ए. शामलाबाई पति सुदर्शन राव,  
10-11-26, रामनगर, विश्वासापटनम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आधेपः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हृः किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त से बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

### अनुसूची

शुल्क जमीन विस्तीर्ण 1000 चौ. गज । सबै नं. 1/7,  
उल. पी. नं. 5/80, प्लाट नं. 2, रीसापूपिलम, विश्वासा-  
पटनम । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2566/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी विश्वासापटनम ।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भू. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जते हैं—

तारीखः 8-12-1981  
मोहरः

प्रलूप भाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस. एस. माजगांवकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, लम्बवृ

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदेश म. अर्जन रंज-11/3182-2/81—अतः मुझे, संधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. री. एम. नं. 539, 540 है तथा जो बोरी-दली में मिथ्हा है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं दर्शित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, लम्बवृ में रजिस्ट्रेटरार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

को प्रार्थित समिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की भूत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्तरों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनेश संख्या एम. 713/78 सबरजिस्ट्रार, लम्बवृ द्वारा दिनांक 15-4-1981 को रजिस्टर किया गया है।

संधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, लम्बवृ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों का वर्त्तिः—

तारीख : 10-12-1981

मोहर

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th November 1981

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate as Deputy Controller (DP) on *ad-hoc* basis for the further period from 1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri M. L. Dhawan as Deputy Controller (DP) is purely on *ad-hoc* and temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

P. S. RANA,  
Section Officer.  
for Chairman.  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 30th November 1981

No. A. 35014/2/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 28-2-81, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. L. Katal, a permanent Senior Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for a period of two months with effect from 1-1-82 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

Shri K. L. Katal will be on deputation to the ex-cadre post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)/E.III/66 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

The 7th December 1981

No. A. 32016/3/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Sh. O. P. Sud, Investigator (DP) to officiate as Superintendent (DP) on *ad-hoc* basis for the period from 1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri O. P. Sud as Superintendent (DP) is purely on *ad-hoc* and on temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

No. P/1783-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated 28th August, 1981, Shri V. Ramachandran, an Accounts Officer of the Accountant General, Orissa, has been allowed to continue on deputation to the post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 13-11-1981 to 12-7-1982, or until further orders, whichever is earlier. Shri Ramachandran will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance during the period in question.

P. S. RANA,  
Section Officer.  
for Secy.  
Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 9th December 1981

No. A. 32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
1.	Shri Joginder Singh, 9-11-81 to 8-2-82.	
2.	Shri R. L. Thakur, 28-10-81 to 27-1-82.	

No. A. 32014/1/81-Admn.I(i)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. PA (Grade B of CSSS) in the same cadre in purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below :—

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	P.P. Sikka . . .	4-11-81 to 27-1-82 or until further orders whichever is earlier.
2.	O.P. Deora . . .	9-11-81 to 8-2-82 or until further orders whichever is earlier.

2. S/Shri P.P. Sikka and O.P. Deora should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them, any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

No. A. 32014/1/81-Admn. I (ii)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below :

S. No.	Name	Period	Remarks
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	H.C. Katoch	14-12-82 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.	Against 2 posts created by tempo- rary down-grading posts of Private- Secretaries.
2.	T.R. Sharma.	1-12-81 to 28-2-82 or until further orders, whichever is earlier.	Do.
3.	Sham Parkash	Do.	Against Resultant Chain Vacancy.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy. (Admn.),  
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF PERSONNAL AND AR)  
CENTRAL BUERAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th December 1981

No. PF/S-234/73-Ad.I.—Shri Sukumar Biswas, an officer of West Bengal State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police has been relieved of his duties in the C.B.I., GOW, Calcutta Branch on the forenoon of 16-11-81 on repatriation to the West Bengal State Police.

The 15th December 1981

No. R-93/66-AD.V.—On attaining the age of superannuation, the services of Shri R. K. Shukla, Superintendent of Police, on deputation to Central Bureau of Investigation from Maharashtra Police, were placed back at the disposal of Maharashtra State Government with effect from 30-11-1981 afternoon.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E) C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 16th December 1981

No. O-II-1206/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Chet Ram, D.Y. SP of Group Centre No. 2, C.R.P.F., Ajmer relinquished charge of the post of Dy. S.P. in the afternoon of the 30th November 1981.

No. O.II.1445/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 5-12-81 (FN), for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1582/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. K. Appalacharyulu, General Duty Officer Grade II of Group Central CRPF, Dimapur with effect from the afternoon of 28th November, 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (T.S.) Rules, 1965.

The 14th December 1981

No. O.II-1414/77-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Gurbachan Singh of 12th Bn., CRPF relinquished charge of the post of Dy. S.P. in the afternoon of the 31st October, 1981.

A. K. SURI  
Assistant Director Estt.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 14th December 1981

No. E-38013(2)/1/79-PERS.—On transfer to Madras, Major R. C. Ramaiah, relinquished the charge of the post of COMDT, CISF Unit, SHAR CENTRE, with effect from the afternoon of 28th October, 1981.

No. E-38013(2)/1/79-PERS.—On transfer from SHAR Centre, Major R. C. Ramaiah assumed the charge of the post of Asstt. Inspector-General (Southern Zone), CISF, Madras with effect from the forenoon of 29th October, 1981.

No. E-16015/2/81-PERS.—On transfer on deputation to Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, Shri N. Ram Das relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF, Gp HQs, Madras with effect from the afternoon of 3rd October 1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer to Nangal, Shri H. S. Randhawa, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda, w.e.f. the afternoon of 5-10-1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer from Naya Nangal, Shri S. S. Samyal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda, w.e.f. the forenoon of 16th Oct. 1981.

The 15th December 1981

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer from Baroda Shri H. S. Randhawa assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, NFL, Naya Nangal with effect from the forenoon of 9th October, 1981.

No. E-38013(4)/12/81-Pers.—On transfer to Baroda Shri S. S. Samyal relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, NFL Naya Nangal with effect from the afternoon of 30th September, 1981.

No. E-38013(4)/16/81-Pers.—On transfer to Hyderabad, Shri C. S. Varadarajan relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f., the forenoon of 9th November, 1981.

No. E-38013(4)/19/81-Pers.—On transfer from Trg. Reserve CISF S/Zone, Shri B. A. Devava assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, Southern Zone HQs. CISF Madras w.e.f., the afternoon of 31st Oct. 1981, from which date Shri R. Janakiraman relinquished the charge of the said post.

No. E-38013(4)/19/81-Pers.—On transfer from Bacheli, Shri M. K. Chopra, assumed the charge of the post of Asstt.

Commandant CISF Unit, BHEL Bhopal w.e.f. the forenoon of 8th November, 1981.

SURENDRA NATH  
Director General/CISF

## MINISTRY OF LABOUR

## LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd January 1982

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by two points to reach 462 (Four hundred and sixty two) during the month of November, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of November, 1981 works out to 562 (Five hundred and sixty two).

A. S. BHARADWAJ  
Director

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 15th December 1981

No. Admn.I/8-132/81-82/410.—Shri T. D. Sell, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service with effect from 30-11-1981 (A.N.).

R. HARIHARAN  
Senior Dy. Accountant  
General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
MAHARASHTRA-I.

Bombay-400 020, the 17th December 1981

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/8.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names, until further orders :—

- (1) Shri V. V. Nirkhe, 17-11-1981 A.N.
- (2) Shri N. S. Phatak, 30-11-1981 F.N.
- (3) Shri G. S. Deshpande, 30-11-1981 F.N.
- (4) Shri V. M. Phirke, 30-11-1981 F.N.
- (5) Shri P. M. Chandekar, 30-11-1981 F.N.

R. S. SHARMA,  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND  
DISPOSALS

## (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 16th December 1981

No. A-6/247(615).—Shri S. K. Sinha, a permanent Examiner of Stores (Engg.) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service with effect from 31-10-1981 (AN), on attaining the age of superannuation.

M. G. MENON  
Dy. Director (Administration)  
for Director General of Supplies and Disposals.

## (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th December 1981

No. A-1/(917).—The President has been pleased to appoint Shri M. P. Gupta, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 24-11-81 and until further orders.

2. Shri Gupta relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 24-11-1981.

S. L. KAPOOR  
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES,  
(DEPARTMENT OF STEEL, IRON AND  
STEEL CONTROL)

Calcutta-700020, the 8th December 1981

No. EI-13(107)/78(1).—On attaining the age of superannuation Shri Hari Mohan Das, Asstt. Iron and Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 30th November, 1981.

S. N. BISWAS,  
Jt. Iron and Steel Controller.

(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 15th December 1981

No. 8005B/50/66/(DKJ)/19B.—On reversion from M.E.C. Ltd. Shri D. K. Jai, Shift Boss, G.S.I. received charge of the post of Shift Boss at Western Region, GSI Jaipur on 14-10-1980 (F.N.), and relinquished charge of the same post on 31-10-1980 (A.N.), on voluntary retirement.

No. 8025B/A. 19012(2-TP)/81-19B.—Shri Tapojyoti Pal, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 2-9-81 until further orders.

The 16th December 1981

No. 7996B/A-19012(2-RN)/81-19B.—Shri Rajiv Nigam, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 29-7-81, until further orders.

The 16th December 1982

No. 8085B/A-19012(2-BKA)/81-19B.—Shri Bimal Kr. Adhikari, Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 24-8-1981 until further orders.

The 17th December 1981

No. 8110B/A-19012(2-CV)/81-19B.—Shri C. Vuba, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 4-9-81 until further orders.

No. 8119B/A-19012(2-KS)/81-19B.—Shri Kalyan Saha, Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 18-8-1981 until further orders.

No. 8129B/A-19012(2-MKT)/81-19B.—Mohd. Khalid Iqbal, Senior Technical Assistant (Geophy.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in

the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 4-9-81 until further orders.

The 18th December 1981

No. 5120D/A-32013/1-Geol. (Sr.)/81-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologist (Jr.) Geological Survey of India on promotion as Geologist (Sr.) in the same Department in pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the date shown against each until further orders :—

S. No.	Name	Date of appointment
S/Shri		
1.	J.K. Vaid	31-7-1981 (FN)
2.	A. Basu	29-7-1981 (FN)
3.	K.C. Pal	31-7-1981 (FN)
4.	B.K. Nagaraja Rao	30-7-1981 (FN)
5.	V.K. Sharma	1-9-81 (FN)
6.	B.L. Narasayya	1-10-1981 (AN)

J. SWAMI NATH,  
Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-400 0026, the 2nd December 1981

No. A-12026/10/81-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri S. A. Naik, Salesman to officiate as Branch Manager, in the Films Division with effect from 1st December, 1981 until further orders against a new post sanctioned by the Ministry of Information and Broadcasting for the Branch at Vijayawada. He is temporarily posted to Bombay. The appointment is purely on *ad-hoc* basis.

S. K. ROY  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th December 1981

No. A. 12026/2/81(AIIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sanyal, an officer of the Indian Statistical Service, as Professor of Statistics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 10th September, 1981 on a temporary basis and until further orders.

T. C. JAIN  
Dy. Director Administration (O&M)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 9th December 1981

No. PA/76(3)/80-R-III.—Reference notification of even number dated August 13, 1981. The officiating appointment of Shri T. K. Ramamoorthy as Assistant Accounts Officer from June 1, 1981 is restricted upto October 6, 1981 (AN).

The 10th December 1981

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Peedikaparambil Kalianamma Narayanan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an *ad-hoc* basis for the period from 5-10-1981 (FN), to 12-11-1981 (AN).

No. PA/81-(10)81-R-IV/1317.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under colm. 4 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

Sl. No.	Name	Post held at present	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1. V.N. Nadre		Scientific Assistant (C)	1-8-81 (FN)
2. M.L. Sapru		Do.	Do.
3. Varghese Jacob		Do.	Do.
4. Smt. V.S. Dixit		Do.	Do.
5. Shri M.B. Guhagarkar		D'man (C)	Do.
6. T.G. Patel		Foreman	Do.
7. P.B. Pawaskar		Scientific Assistant (C)	Do.
8. A.G. Rahurkar		Do.	Do.
9. Smt. AA. Kadam		Do.	Do.
10. S.H. Vasania		Do.	Do.
11. Smt. J. Santhanam		Do.	Do.
12. S. K. Mukherjee		Do.	Do.
13. S.K. Bandyopadhyay		Do.	Do.
14. M.K. Mukherjee		Do.	3-8-81 (FN)
15. M.T. Sahajwalla		Do.	1-8-81 (FN)
16. S.D. Fulpagare		Do.	Do.
17. Dr. Mathew David		Do.	Do.
18. P.A. Ganguly		Do.	Do.
19. N. Swaminathan		Do.	Do.
20. D.D. Jaiswal		Do.	Do.
21. Smt. Vijay R. Pullat		Do.	Do.
22. V. Venkatesam		Do.	Do.
23. P.V. Sathe		Do.	Do.
24. P.P. Gokhale		Do.	Do.
25. V.V. Deshmukh		Foreman	Do.
26. M.A. Chavan		Do.	Do.
27. A.K. Kamat		Scientific Assistant (C)	Do.
28. V.K.P. Unni		Do.	Do.
29. S.M. Nanjalli		Do.	Do.
30. P.K. D. Kurup		Do.	3-8-81 (FN)
31. A.O. Surendranathan		Scientific Assistant (B)	1-8-81 (FN)
32. A. Subramaina		Scientific Assistant (C)	Do.
33. M.F. Fonseca		Scientific Assistant (B)	Do.
34. George Cherian		Scientific Assistant (C)	Do.
35. P.C. Rao		Do.	Do.
36. A.K. Das		Do.	Do.
37. D.R. Mukne		Do.	Do.
38. A.F. Dias		Foreman	Do.
39. M. Janardanan		Scientific Assistant (C)	Do.
40. G.D. Bhedasgaonkar		Do.	Do.
41. K. Vijayan		Do.	Do.
42. V.T. Kulkarni		Do.	Do.
43. S.K. Banerjee		D'man (C)	Do.

1	2	3	4
S/Shri			
44. U.H. Sali		D'man (C)	1-8-81(FN)
45. M.L. Polphode		Do.	Do.
46. N. Chacko		Scientific Assistant (C)	10-8-81 (FN)
47. R.N. Ghosh		Foreman	1-8-81 (FN)
48. S. Vancheeswaran		Foreman	3-8-81 (FN)
49. C. Lohidakshan		Scientific Assistant (C)	1-8-81 (FN)
50. V.V. Vad		Foreman	Do.
51. A.L. Pappachan		Scientific Assistant (C)	Do.
52. Y.R. Pandya		Do.	Do.
53. S. Muralidharan		Do.	Do.

A. SANTHAKUMARA MENON  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 19th December 1981

No. NAPP/Adm/26(1)/81-c15342.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, appoints Shri Y. P. Saini a permanent Chargehand in PPEP Pool and presently officiating as Foreman in NAPP to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA  
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th December 1981

No. 05052/81/Aug/6471.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Aravamparambil Sadanandan Janardanan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant, with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

No. 05052/81/Aug/6472.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Arcot Dhanakottu Chandrasekharan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant, with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

The 18th December 1981

No. 05012/R-4/OP/6475.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Narayanan, a temporary Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from the forenoon of May 25, 1981 to November 20, 1981 (AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer, transferred to RAPP, Kota on promotion.

R. C. KOTIANKAR  
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401504, the 22nd December 1981

ORDER

No. TAPS/2/846/71 Vol.II.—WHEREAS Shri M. Muthuswamy, Tradesman 'D' was granted leave from 1-9-81 to

19-9-81 with permission to suffix 20-9-81 as requested by him;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu did not resume duty on 21-9-81 after the expiry of the leave granted to him;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu sent a telegram which was received in TAPS on 21-9-81 and in which Shri Muthuvelu had asked for extension of leave by one month;

AND WHEREAS even after the expiry of a period of one month from 21-9-81, Shri Muthuvelu failed to resume duty;

AND WHEREAS a Memorandum was sent by TAPS to the said Shri Muthuvelu on 26-10-81 asking the said Shri Muthuvelu to report for duty immediately, by Registered post A/D to the last known address of Shri Muthuvelu at Vilathupatti.

AND WHEREAS the said Memorandum was returned by the postal authorities with a remark to the effect that the addressee was not seen;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu sent another letter dated 21-11-81 requesting for extension of leave upto 2 or 3 months;

AND WHEREAS a Memorandum was sent by TAPS on 30-11-81 by Registered post A/D, on the address furnished in Shri Muthuvelu's letter of 21-11-81, asking the said Shri Muthuvelu to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Memorandum dated 30-11-81 was returned by the postal authorities with remarks to the effect that the addressee left without address;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu has continued to remain absent;

AND WHEREAS the said Shri Muthuvelu has been guilty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandoning service;

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping TAPS informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965;

NOW THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers conferred under Rule 19(H) of the CCS (CC&A) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Muthuvelu from service with immediate effect.

K. P. RAO  
Chief Superintendent

Copy to :  
Shri M. Muthuvelu,  
Narthamalai P.O.,  
Annavasal (Via),  
Pudukkottai Dist.

DEPARTMENT OF SPACE  
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 7th December 1981

No. 9/62/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the State Public Works Department, Government of Tamil Nadu, Shri R. Jayaraman, Assistant Engineer of that office as Engineer-SR in an officiating capacity with effect from the forenoon of December 7, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER.  
Administrative Officer-II  
for Chief Engineer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 17th December 1981

No. A. 31014/1/79-EC.—In partial modification of S. No. 51 of this Department Notification No. A. 31014/1/79-EC, 14-406GI/81

dated 25-5-81, the following may be substituted to read for existing entry at S. No. 51 thereof :—

S. No.	Name	Station of posting
51.	Shri A. C. Dutta	Aero Comm. Stn. Gauhati
		PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

MINISTRY OF ENERGY  
(DEPARTMENT OF COAL)  
COAL MINES WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 9th December 1981

No. P.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints Shri P. K. Pradhan, General Secretary, Colliery Mazdoor Sangh, Talcher, Orissa as a member of the Finance Sub-Committee constituted in the Notification No. P. 8(25)/67 dated 23-12-1975 *vice* Shri S. Das Gupta, General Secretary, Indian National Mines Workers Federation, Dhanbad, who has resigned and makes the following amendment in the said Notification :—

For the entry "Sl. No. 4—Shri S. Das Gupta" the entry "Sl. No. 4 Shri P. K. Pradhan" shall be substituted.

D. PANDA  
Commissioner  
Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 16th December 1981

No. A-19012/931/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. G. Sinha, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 12th October, 1981

A. BHATTACHARYA  
Under Secy.  
Central Water Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS

RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS  
ORGANISATION

Lucknow, the 9th December 1981

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial.—Shri Y. R. Nagar is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-8-1980 in Research Designs and Standards Organisation.

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial/I.—Shri K. K. Soni is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-8-1980 in Research Designs and Standards Organisation.

No. EII/ES/CFM/O/Ministerial/II.—Shri I. C. Kakkar is confirmed as Section Officer (Ministerial) with effect from 1-9-80 in Research Designs and Standards Organisation.

L. F. X. FREITAS  
Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Ram Roop Jagan Nath Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 17th November 1981

No. 3383/21448.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Ram Roop Jagan Nath Pt. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

D. N. PEGU  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and  
of Prerna Finance Private Limited, Indore*

Gwalior, the 17th December 1981

No. 1157/Liqn./C.P./5247/81.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Prerna Finance Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated the 1st October, 1981 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh Bench at Indore and the Official Liquidator Indore has been appointed as Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies,  
M.P. Gwalior

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 16th December 1981

No. F.48-Ad(AT)/81.—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 26-9-1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81(II), dated 27-8-81, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from the 26th December, 1981 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,  
President

## FORM ITNS—

(1) Shri S. S. MAJGAONKAR.

(Transferor)

(2) Shri N. W. CHOGLE.

(Transferee)

(3) Tenant.

(Person in occupation of the property)

(4) 1. Shri S. R. Varvangaonkar  
2. Shri D. S. Kalgutkar  
3. Shri M. S. Majgaonkar.(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1981

No. AR-II/3182-2/April 81.—Whereas I, SUDHAKAR VERMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTSNo. 539 & 540, situated Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Register No. S-1272/80 and Registered on 25-4-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gurcharan Singh s/o  
Shri Dalip Singh,  
r/o Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar & Prem Kumar,  
s/o Shri Hans Raj,  
s/o Shri Chanan Ram,  
C/o M/s Hans Raj Jagdish Rai  
Commission Agents, Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2907.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule  
situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gurcharan Singh s/o  
Shri Dalip Singh,  
r/o Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar & Prem Kumar,  
s/o Shri Hans Raj,  
s/o Shri Chanan Ram,  
C/o M/s Hans Raj Jagdish Rai  
Commission Agents, Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 558 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2908.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldip Singh s/o  
Shri Surat Singh,  
r/o Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj & Hans Raj, ss/o  
Shri Chanan Ram,  
c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai,  
Commission Agents, Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 559 of May 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2909.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Param Veer Singh s/o Shri Harinder Singh and Gurbachan Singh s/o Natha Singh, r/o Kot Kapura, Teh. & Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar s/o Shri Hans Raj, c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai, Commission Agents, Kot Kapura, Teh. & Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 578 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Singh s/o Shri Surat Singh,  
r/o Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2910.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per Schedule

situated at Kot Kapura

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

(2) Shri Des Raj and Hans Raj,  
ss/o Shri Chanan Ram,  
c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai,  
Commission Agents, Kot Kapura,  
Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee by  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Property & Persons as mentioned in the registration sale  
deed No. 579 of May, 1981 of the Registering Authority,  
Faridkot.

## THE SCHEDULE

J. S. AHLUWALIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 7-12-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2906.—Whereas I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rur Chand s/o Shri Shibu Ram, c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai, Commission Agents, Kot Kapura, Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan and Hira Lal, ss/o Shri Ganga Ram, C/o M/s Surat Mal Ganga Ram Teh. & Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 196 of April, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/269.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot on Mall Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Gajinder Kaur wd/o  
Sohan Singh,  
r/o 39, Lawrence Road, Amritsar  
Self and mukhtar aam Smt. Jatinder Kaur and  
Smt. Laghbir Kaur ds/o  
S. Sohan Singh,  
r/o 39, Lawrence Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Dr. Amrit Pal Singh s/o  
Dr. Ishar Singh,  
r/o Kothi No. 29,  
Govt. Colony, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/ share in plot (area 229.9 sq. mtrs.) situated on Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 270/ dated 6-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 25-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/270.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land on Mall Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jaspal Singh, S/o Sohan Singh r/o 39, Lawrence Road, Amritsar, and Tarlochan Singh and Kirpal Singh, s/o S. Sohan Singh, Smt. Gajinder Kaur mother and mukhtar aam, r/o 39, Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Dr. Amritpal Singh s/o Dr. Isher Singh, r/o 29, Govt Colony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid persons, namely :—

1/2 share in plot (area 229.9 sq. mtrs) situated on Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 271/ dated 6-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 25-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/271.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in village Tung Pain Sub-urban situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hazara Singh s/o  
Shri Surat Singh,  
r/o Village Tung Pain,  
Teh. & Distt. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Rendar Kumar Khanna (HUF)  
s/o Shri Rattan Chand,  
r/o Dasawinda Singh Road,  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 3250 sq. yds. situated in Village Tung Pain Sub-urban (Gali Banka Behari Lal) Off Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 643 dated 9-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/272.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in village Gulelra, situated at Gurdaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kishan Singh s/o Hazara Singh s/o Jai Singh, r/o village Gulelra, Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Dilawar Singh s/o Kandhara Singh s/o Kishan Singh, r/o village Gulelra, Teh. & Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25K 5 marlas, situated in Village Gulelra, Teh. & Distt. Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 152/dated 8-4-1981 of the Registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/273.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in H. No. 2029/81 in Bazar, situated at Tokerian, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Singh s/o Bhagat Singh, r/o Bazar & Gali Tokerian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath s/o Shri Ram Parkash, r/o Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in house Khanashumari 2322, 2332/19, 2092/19 and 2029/8 situated in bazar Tokerian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 522/dated 8-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-11-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/274.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One half share in house bazar, situated at Tokerian, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ram Singh s/o Bhagat Singh, r/o Bazar & Gali Tokerian, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath s/o Ram Parkash, r/o Katra Bhai Sant Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

½ share in house No. 2029/8 situated in bazar & gali Tokerian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 521/ dated 8-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 18th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/275.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop in Gali Tiwarian, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ayudhia Nath s/o  
Shri Daya Ram,  
r/o 20, Race Course Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Shaan,  
Shri Narinder Kumar,  
Shri Surinder Kumar and  
Davinder Kumar,  
ss/o Shri Karam Chand,  
r/o Charausti Attari,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3650/II & 275/II-2 MCA, situated in Gali Tiwaria, Bazar Charausti Attari, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1480/dated 22-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 18-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-276.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at Jail Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Khushi Ram s/o  
Shri Jai Chand,  
Krishna Mehra w/o Dr. Khushi Ram,  
Susheel Kumar Mehra s/o Dr. Khushi Ram,  
r/o 14, Jail Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Arun Kumar & Ajay Kumar,  
s/o Chuni Lal,  
r/o Katra Dulo, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

One plot (measuring 325 sq. yds) situated on Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1002/dated 15-4-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1981

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/277.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop in Guru Bazar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shori Lal s/o Shri Rikhi Ram, r/o Katra Partja, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Lila Wati w/o Shri Mansa Ram, r/o Katra Partja, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 1745 & No. 1844 & 1989 & 90/4 khana shumari situated in Bazar Guru, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1425/I dated 21-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—406GI/81

Date : 26-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/278.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Katra Sher Singh, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Uma Devi wd/o Mannohan Nath Sharma, r/o Katra Sher Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushly Devi Sud w/o Shri Shamsher Singh Sud, r/o Maqbul Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house No. 1403 & 1403-A/K11-10, situated in Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1062/dated 16-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/279.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. One property in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (1) Smt. Indra Sharma wd/o Sri Krishan Kumar  
Sharma r/o Atr. Sher Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kaushly Devi Sud w/o Sh. Shamsher Singh  
Sud r/o Maqbul Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house No. 1403 & No. 1403-A XII-Co situated in  
Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed  
No. 106/dated 16-4-81 of the registering authority,  
Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/280.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Factory shed in Kishan Kot situated at Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said in-  
strument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dharamvir s/o Shri Chand Mul alias Chand Lal r/o Kucha Pandatan Bazar Guru Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shmt. Kamlesh Kumari w/o Brij Mohan Malhotra r/o Katra Bhai Sant Singh Gali Gujran, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/ share in factory shed situated in Abadi Kishan Kot,  
Islamabad Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2080/  
dated 30-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/281.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

One factory shed Abadi Krishna Kot situated at Amritsar.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Dharamvir S/o Shri Chand Mal alias Chand  
Lal r/o Kucha Pandtan, Bazar, Guru, Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s Brij Mohan Malhotra & Co., Khuh Bhalewala,  
Islamabad, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in Factory shed situated in abadi Kishan Kot,  
Islamabad Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2081/  
dated 30-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 24th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/282.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Vacant plot at G. T. Road Jullundur situated at,  
Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Niranjan Singh s/o Jiwan Singh through Shri Kartar Singh s/o Jaswant Singh r/o East Mohan Nagar, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh Kapur s/o Shri Buta Ram r/o Kot Baba Deep Singh Amritsar. Prop. M/s Unison Fans, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 4 kanals 1 marlas situated at  
G. T. Road, between 5th & 6th km Stone towards  
Jullundur, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 675  
dated 10-4-81.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 24-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/283.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Basant Avenue situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in April 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rajinder Singh s/o S. Kartar Singh r/o Tehsil Pura, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shmt. Bhupinder Kaur w/o S. Bhagwant Singh r/o Jaura Pipal Gali Devi Wali, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/ share in one kothi No. 412 (area 105 sq. yds.) situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1901 dated 29-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/284.—Whereas, I,  
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one property in Basant Avenue situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S. Rajinder Singh s/o Kartar Singh r/o Tehsilpura Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S. Bhagwant Singh s/o S. Kartar Singh r/o Jaura Pipal, Gali Devi wali, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in one kothi No. 412 (measuring 105 sq. yds.) situated in Basant Avenue Amritsar vide sale deed No. 685/ dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Rcf. No. ASR/81-82/285.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. One Bldg. on Batala Road, situated at Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar on April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shmt. Maan Kaur wd/o Sh. Jagiri Mal Khanna r/o Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Sardari Lal Khanna s/o Shri Jagiri Mal Khanna r/o Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

20% share in factory building situated on Batala Road,  
Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1572/dated  
23-4-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
17—406GI/81

Date : 23-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/286.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Land 2 kanals in village Sali situated at Teh. Pathankot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering officer at  
SR Pathankot in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (1) Shri Rajseshwar Parkash s/o Surner Chand r/o Dhangu Road, Pathankot.  
(Transferor)
- (2) Shri Chaman Parkash s/o Surner Chand r/o Dhangu Road, Pathankot.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2 kanals in village Sali, Teh. Pathankot as mentioned in the sale deed No. 261 dated 21-4-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/287.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land in Teh. Pathankot situated at Pathankot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering officer at  
SR Pathankot in April 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Bimla Wati w/o Shri Chaman Parkash s/o Shri Sumer Chand r/o Dhangu Road, Pathankot. (Transferor)
- (2) Shri Rajeshwar Parkash s/o Shri Sumer Chand r/o Dhangu Road, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, and shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1 K-13M-193 sq. ft. situated in  
Chak Hassan within the municipal limit of Pathankot as mentioned  
in the sale deed No. 262 dated 21-4-81 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 23-11-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/288.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. House in Mohalla Onkar Nagar situated at Gurdaspur.  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Gurdaspur in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (1) Shri Puran Chand s/o Bhai Ram r/o Onkar Nagar,  
Gurdaspur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Chanchal Mahajan w/o Surinder Nath r/o  
Onkar Nagar, Gurdaspur.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice on  
the respective persons, whichever period expires  
later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house (6 marlas) situated in Onkar Nagar, Gurdaspur  
as mentioned in the sale deed No. 560/ dated 29-4-81 of  
the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 21st November 1981

Ref. No. ASR/81-82/289.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. One property in Kot Baba Deep Singh situated at  
Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S. Surjit Singh s/o Rattan Singh r/o Bazar Chur Beri, Gali Ahadwaja Amritsar and S. Tarlochan Singh s/o S. Dalip Singh r/o ABADI East Mohan Nagar, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Balwinder Singh Babar s/o S. Gurbax Singh r/o Chur Beri, Gali Ahadwaja, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
Shri Banwari Lal, Panna Lal, Jagdish Raj goldsmiths Surjit Singh, Manjit Singh, Shri Sadhu Singh.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One house No. 3800/29 (area 90 sq. yds.) situated in  
Abadi Kot Baba Deep Singh Bazar No. 1 Amritsar, as mentioned  
in the sale deed No. 1226/dated 20-4-81 of the registering authority Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 21-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/290.—Whereas, I

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property, Bazar Chur Beri situated at Ktr. Karam Singh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Chaudhari Kartar Singh s/o Sher Singh r/o Rani Ka Bagh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Lal s/o Shri Madan Lal r/o village Chaugawan Teh. Ajnala Distt., Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in building (area 37½ sq. mtrs.) situated in bazar Chur Beri, Katra Karam Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3026 dated 15-5-81 to the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) S. Kartar Singh s/o Sher Singh r/o Rani Ka Bagh, Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/291.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. One bldg Bazar Chur Beri, Ktr. situated at Karam Singh  
Amritsar.,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) Shri Lajpat Rai s/o Shri Madan Lal r/o Village Chogawan Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the ~~said~~  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in one building (area 37½ sq. mtrs.) situated in  
Bazar Chur Beri, Katra Karam Singh Amritsar as mentioned  
in the sale deed No. 1722 dated 24-4-81 of the Registering  
Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/292.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shed at Verka situated at Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. The Modern Textile Mills at Verka through Shri Sham Sunder s/o Chuni Lal r/o Verka Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. T. S. Dyeing & Ptg. Mills at Verka through Shri Sat Pal s/o Tulsi Ram r/o Katra Dulo Amritsar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/ share in Factory shed Kh. No. 1346 situated at Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1533 dated 23-4-81 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) M/s. The Modern Textile Mills Pvt. Ltd. Co. through Shri Sham Sunder s/o Shri Chunilal Nayyar Director Co. r/o Verka Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. T. S. Dyeing & Ptg. Mills through Shri Sat Pal s/o Tulsi Ram r/o Katra Dulo Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/293.—Whereas, I  
ANAND SINGH I.R.S.,

being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. One shed at Verka Amritsar situated at Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in April 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/8 share in factory shed Kh. No. 1346 situated at Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1001 dated 15-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
18—406GI/81

Date : 26-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sham Sunder Nayyar s/o Shri Chunilal Nayyar  
r/o Verka Mukhtar Khass The Modern Textiles  
Mills Pvt. Ltd. Verka (Amritsar).

(Transferor)

(2) M/s T. S. Dyeing and Ptg. Mills Verka Amritsar,  
through Sh. Sat Pal s/o Tulsi Dass r/o Katra Dulo  
Amritsar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/294.—Whereas, I  
ANAND SINGH IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. One factory shed at Verka situated at Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
SR Amritsar in August 1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/4th share in Factory shed Kh. No. 1346 situated at  
Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10473  
dated 3-8-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 26-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/295.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One factory shed at Verka situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Sunder s/o Chuni Lal  
R/o The Modern Textile Mills, Verka,  
Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal s/o Tulsi Dass  
R/o Katra Dulo  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in factory shed khasra No. 1346 situated at Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2434 dated 7-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-11-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/296.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Durgiana Abadi Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dharam Pal s/o Shri Chotto Mal R/o Faridabad at Present Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath and Tripta Rani W/o Narinder Nath, R/o 17-B Rase Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share in house No 219/13 situated in Abadi Durgiana Amritsar, as mentioned in the sale deed No 793/dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH I.R.S  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/297.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house in Durgiana Abadi situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sat Pal S/o Choto Mal, R/o Hira Nagar, Distt. Kathua, J. & K. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath and Tripta Rani w/o Narinder Nath, R/o 17-B, Race Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share in House No. 219/13 situated in Durgiana Abadi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 791 dated 10-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/298.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Durgiana Abadi situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Raj Rani w/o Roshan Lal, R/o Hira Nagar, Distt. Kathua, J&K. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Nath s/o Amar Nath, Tripta Rani, w/o Narinder Nath, R/o 17-B, Race Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share in House No. 219/13 situated in Durgiana Abadi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 792/ dated 10-4-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981.

Ref. No. ASR/81-82/299.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building, Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal  
S/o Kishan Das  
Plot No. 5, through  
Shri Prem Sagar Aggarwal  
S/o Baby Ram Aggarwal  
R/o Lachhmansar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Ajaib Singh s/o Ram Singh,  
Macload Road, Lal Dai Building,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
Pt. Bajj Nath Chaman Lal Higher Secondary School.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 483 dated 8-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981

Ref. No. ASR/81-82/300.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one building, on Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal  
S/o Kishan Das  
Plot No. 5, through  
Shri Prem Sagar Aggarwal  
R/o Lachhmanpur, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh s/o Ram Singh,  
Macload Road, Lal Dai Building,  
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
Pt. Balj Nath Shri Chaman Lal Higher Secondary School. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 484 dated 8-4-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1981  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1981

Ref. No. ASR/81-82/301.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one building on Macload Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar, on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Ram Parkash & Madan Lal  
S/o Kishan Das  
R/o Plot No. 5, Krishua Bhawan Bombay through  
Shri Prem Sagar Aggarwal  
General Attorney. (Transferor)
- (2) S. Jarnail Singh s/o S. Ram Singh  
R/o Macload Road, Lal Dai Building,  
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
Pt. Baij Nath Chaman Lal Higher Secondary School.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One building known as Lal Dai Building, situated on Macload Road, Amritsar as mentioned in the said deed No. 485 dated 5-4-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—406GI/81

Date : 2-12-1981  
Seal :

## FORM ITN5

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/302.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building in Katra Sher Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sarwadan Chatrath s/o Shri Chuni Lal Chatrath R/o Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jawala Dass s/o Shri Ram Chand, Kishan Lal s/o Ram Chand Shri Subash Chander s/o Shri Ram Chand R/o Katra Sher Singh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Abnash Kapur Walati Ram Subash Fruit Store Chhote Lal Balbir Chand Abram (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building No. 1532/XII-II situated in Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 515/dated 8-4-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Maganlal Hakemchand Udani;  
C/o M. Hakemchand & Co.,  
216, Dr. Bhandarkar Marg, Lemington Road,  
Bombay-7.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shardaben J. Shah;  
2. Shri Jaikrishna Jayantilal Shah;  
Sheri No. 3, Panchnath Plot,  
Rajkot.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1492 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sheri No. 3, Panchnath Plot—Building situated at Sheri No. 3, Panchnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building standing on land 161-4-72 sq. yds. situated at Sheri No. 3, Panchnath Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 2332/81/1-4-81 i.e. property as fully described therein.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—386GI/81

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dineshkumar Venichand Kothari;  
Yuganda Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Popatil Dacda;  
Flat No. B-7, Kahannagar Coop. H. Socy. Ltd.  
Sheri No. 7/9, Panchnath Plot, Rajkot.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1491 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-7 of Kahannagar Coop. H. Socy. situated at Sheri No. 7-9, Panchnath Plot Sheri, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-4-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-7 of Kahannagar Coop. H. Society, adm. 950 sq. ft. situated at Sheri No. 7/9, Panchnath Plot, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 2717/10-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1490 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136/1 paiki situated at Raiyya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 14-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shilaben Keshavlal Shinde;  
C/o Shri Radradatta J. Rawal;  
Dhruvnagar, Dhruv Flats Raiyya Road,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bhikhala Nanjibhai Solanki;  
2, Karanpara, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 136/1, paiki adm. 554-8-0 sq. yds. situated at Raiyya Road, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 2804/14-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 4th December, 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1489 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat of Angel Apartment situated at Sheri No. 22, Jagnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (1) 1. Smt. Bhanumati Kanaiyalal Samani;  
2. Shri Rajendra Govindji Karia;  
Through P.A. Holder :  
Shri Kanaiyalal Laxmidas Samani;  
Both at 15, Sardarnagar, Rajkot.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kantaiben Amarshibhai Kharecha;  
22 New Jagnath Plot, Rajkot.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat at Angel Apartment of 1102 sq. ft. situated at Sheri No. 22, Jagnath Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 2477/2-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4th December, 1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1488 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 330-331, Plot No. 18 paiki Sub-Plot No. 18-B situated at Dhebar Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Yashwantrai Harishankarbhai Daftari; 'Ashirwad', Anie Besant Road, Worli, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Velocity Forging; Through : Partner Shri Vithalsinh Rayabhai Jadeja, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 330-331, Plot No. 18 paiki Sub-Plot No. 18-B, adm. 750-3-0 sq. yds. situated at Dhebar Road Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 3181/24-4-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I.,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 4th December, 1981

Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1487 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 294-3, TPS 6, F.P. No. 345 paiki situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chandulal Manilal Patel;  
Shri Jayaben Chandulal Patel;  
Village Fatchpura, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Mahendra Park Apartment Owners Association;  
President : Gitaben Devrajbhai Patel;  
Parul Flats, Setelight Road, Ambawadi,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open land situated at Paldi, Ahmedabad bearing S. No. 294/3, TPS 6, F.P. No. 345 paiki adm. 742 sq. yds. of West side as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 3499 dated 15-4-81.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 28th November, 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Parshottamdas Pardhubhai urfe Prabhudas; Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor; Village Bodakdev, Tal. Dascroi. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1486 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2, 68-3 situated at Bodakdeo, Tal. Dascroi, Dist. Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdeo seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. Acre 1-7.5 Gun. as fully described in the sale-deed registered with the Registering authority of Ahmedabad vide Regn. No. 4184 dated 16-4-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—406GI/81

Date : 28th November, 1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1485 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2 68-3 paiki situated at Bodakdev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (Minor) Bharatkumar Parshottamdas; L.H. Shri Parshottamdas Pardhubhai wife Prabhudas; Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor; Village : Bodakdev, Tal. Dascroi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. A.1 Gun 7.5 as fully described in the sale deed registered with the Registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 4185 dated 16-4-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28th November, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Ranchhodlal Parshottamdas;  
(HUF) & others;  
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Ramsangji Thakor;  
Village : Bodakdev, Tal Dascroi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1484 Acq.23-I/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki situated at Bodakev Seem Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land situated at Bodakdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. A.1 Gun 7.5 as fully described in the sale deed registered with the Registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 4185 dated 16-4-81.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28th November, 1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Atmaram Vithalbhai Patel & others;  
Mahtampura—Tal. City, Dist. Ahmedabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1483 Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at Makarba seem District. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land situated at Gam Makarba seem bearing S. No. 792, adm.A-4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the registering authority of Ahmedabad vide Regn. No. 3504 dated 3-4-81.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 28-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1482 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 475/2 situated at Thaltej Gam Seem Dist. Ahmedabad Tal. Dascroi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Naranbhai Viranbhai,  
Village Thaltej, Tal Dascroi,  
Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Keshavlal Raysangbhai Chaudhary;  
2. Shri Laljibhai Raysangbhai Chaudhary;  
3. Shri Ganeshbhai Raysangbhai Chaudhary;  
4. Shri Shivabhai Raysangbhai Chaudhary,  
Memnagar, Near Mahadev Mandir,  
Tal. City Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land situated at Thaltej seem bearing S. No. 475/2 adm. A, 0-38 Gun. as fully described in the sale deed which is registered with the Registering Authority of Ahmedabad vide Regn. No. 4503 dated 23-4-81.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Maniben Parshotandas Paradhubhai urge Prabhudas;  
Shangar Sheri, Saraspur, Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Shri Ambalal Ramsanji Thakor;  
Village: Badukdev, Tal. Dascroi,  
Dist. Ahmedabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1481 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki situated at Badukdev Tal. Dascroi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Badukdev seem bearing S. No. 68-1, 68-2, 68-3 paiki adm. A. 1-7.5 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Ahmedabad vide Regn. No. 4182 dt. 16-4-81.

G. C. GARG  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date: 28-11-1981  
Seal:

## FORM I.T.N.3.—

(1) Shri Atmaram Vithalbhai Patel & others;  
Mahtampura, Tal. City, Dist. Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Sartanbhai Versibhai;  
Village : Vastrapur, Tal. City. Ahmedabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1480 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at Makarba seem Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Gam Markarba seem bearing S. No. 792, adm. A.4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described in the sale-deed registered with the registering authority at Ahmedabad vide Regn. No. 3506 dated 3-4-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 28-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Atmaram Vithalbhai Patel & others;  
Mahtampura, Tal. City, Dist. Ahmedabad.  
(Transferor)

(2) Shri Ranchhodhbhai Leelabhai;  
Village : Vastrapur, Tal. City,  
Dist. Ahmedabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FYOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1479 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
S. No. 792 paiki undivided 1/3rd share situated at  
Makraba seem Dist. Ahmedabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office at  
Ahmedabad on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Gam Markarba seem bearing S. No. 792,  
adm. A.4-33 paiki undivided 1/3rd share as fully described  
in the sale-deed registered with the registering authority of  
Ahmedabad vide 'Regn. No. 3505, dated 3-4-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 28-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Madhusudan Ratilal Valiya;  
553, Adenwalla Road, Matunga, Bombay-19.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Kishorhai Dave;  
2. Shri Mukeshbhai Bhabhubhai Dave;  
both at Kariya Road, 'Madhukunj',  
Amreli.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1478 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 714 paiki 472/1, Tika No. 35, S. No. 19 R.S. No. 292/1 C.S. No. 746 paiki situated at Kariya Road, Amreli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Building known as 'Madhukunj', bearing C. S. No. 714 paiki standing on land 810 sq. mts. and land bearing R.S. No. 292/1, C.S. No. 746 paiki adm. 520 sq. yds. situated at Kariya Road, Amreli duly registered by Sub-Registrar, Amreli vide Regn. No. 581/April, 1981 i.e. property fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I.  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—406/81

Date : 27-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1477 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76-2, Plot No. 12, situated at Village Nanamava, Dist. Rajkot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sharda Narbheram Parekh; Parekh Building, Kanak Road, 22, Karanpara, Rajkot.  
(Transferor)

(2) Shri Dhirendrakumar Kakubhai Doshi; 66, Chakra Baria Road, North-Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land adm. 697-1-0 sq. yds. bearing S. No. 76-2, Plot No. 12, situated at village Nana Mawa, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide Regn. No. 3192/24-4-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mansukhlal Keshavlal Parekh; Palace Road, Balkrishna Niwas, Rajkot.  
(Transferor)

(2) 1. Prafulaben Pravinchandra Vasani;  
2. Jyotsnaben Sureshkumar;  
3. Ilaben Bharatkumar; All at 7, Raghuvirpara, Rajkot.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1476 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 85/1, Plot No. 43 situated at Village Paiyya, Dist. Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land adm. 637-4-72+692-4-72 sq. yds. bearing S. No. 85/1, Plot No. 43, situated at village Raiyya, Dist. Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale deed No. 2361 and 2362/22-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Yusufali H. Kapadiya; 105/107, Dimtimkar-Street, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Hirachand and others; Kalyan Society, "Sunder villa", Rajkot.  
2. M/s Precition Products, 'Sundervilla', Kalyan Society, Rajkot.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1475 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sheet No. 421—C. No. 1, No. 7/5801 situated at Mavadi Plot, Gondal Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 3-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land bearing Sheet No. 421—C. No. 1, No. 7/5801 adm. 724-0-36 + 550-0-0 sq. yds. situated at Gondal Road, Mavdi Plot, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 2398 and 3399/3-4-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dharamshi Mavji; Canal Road, Rajkot.  
(Transferor)

(2) Veco Foundry Engg. Works; through: Shri Lalji Karamshibhai; AJI Udyog Vasahat, Rajkot.  
(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1474 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

S. No. 192, 216-692, Plot No. 1095 situated at Rajkot,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Rajkot on 4-4-1981.

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

## THE SCHEDULE

Land adm. 980 sq. yds. bearing S. No. 192-216-692 situated at Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale deed No. 1851/4-4-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 27-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dinesh Bhagwanji Nathwani; 'Manglam', 27, Prahlad Plot, Prahlad Road, Rajkot.  
(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Manilal Shah; 107, Town Quarters, Tata Chemicals Ltd., Mithipur, Dist. Jamnagar.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1473 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 9, Sub-Plot No. 3(3) situated at Yogivandana area,  
Sahkar Nagar Main Road, Nr. Mahila College Hostel,  
Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajkot on 28-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and explanation used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Building bearing Plot No. 9, sub-plot No. 3(3), standing  
on land 125.44 sq. mts. situated at Shri Yogivandana area,  
near Mahila College Hostel, Rajkot duly registered by Sub-  
Register, Rajkot vide sale-deed No. 2712/28-4-81, i.e. prop-  
erty as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Punjabhai Raningbhai Dhankhada, Piriya Dungara, Rajula.  
(Transferor)

(2) Shri Anantrao Durlabhdas Doshi; Jawahar Road, Rajula, Dist. Amreli.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1472 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 388 situated at Near Railway Station, Rajula, Dist.  
Amreli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajula in April 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 388, situated near Railway Station,  
Rajula, Dist. Amreli, duly registered by Sub-Registrar, Rajula,  
vide sale deed No. 1550/April 1981 i.e. property as fully  
described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Barjoji Navrojji Palia & another; Machhalipith, Wadia Street, Surat.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Manjibhai A. Patel;  
2. Shri Karamshi Shivji;  
3. Shri Gopal Shivji Patel;  
4. Shri Naran V. Patel & others; Village Dhavda, Dist. Kutch.  
(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1471 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Property building situated at Station Road, Dhrangadhara, Dist. Wadhawan;  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Dhrangadhara on 8-4-1981,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building at Station Road, Dhrangadhara, standing on land  
adm. 1432 sq mts. duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara,  
vide sale deed No. 431/8-4-81 i.e. property as fully  
described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 27-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore-560001, the 5th December 1981

CR. No. 62-30573, 81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275/A and 275/B situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, under document No. 30/81-82 on 1-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Executors of the Will of Late Smt. Thayamma Veerannagowda.  
1. Sri M. Ramanna by P. A. Holder Sri K. T. Chandu.  
2. Shri K. T. Chandu, Maddur, Mandya (Dist.).  
(Transferors)
- (2) Shri N. Srirama Reddy, residing at No. 28-29, Yamunabai road, Madhavanagar, Bangalore-1.  
(Transferees)
- (3) Tenant: The Chief Inspectorate of Worship Equipment, South Zone, Bangalore.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 30/81-82 dated 1-4-1981)  
All that property bearing Premises No. 275/A and 275/B, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-12-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

—406G1/81

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 5th December 1981

C. R. No. 62/30576/81-82/Acq../B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 formed in site No. 22 situated at Kumara Cot, 1 Cross Kumara Krupa Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under document No. 402/81-82 on 27-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Biharila Holaram Menda, 2, Girdharilal Holaram Menda.  
Both Sons of Sri Holaram Menda, Residing at No. 22-5, 1 Cross Kumara Krupa Road, Bangalore.  
(Transferor)

(2) Sh. Doulatram Dharmadas  
S/o Dharmadas,  
Residing at No. 59,  
Osborne Road,  
Ulsoor,  
Bangalore-42,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 402/81-82 dated 27-4-1981),  
All that property bearing Corporation No. 5, in site No. 22, situated in Kumara Cot Layout, 1 Cross, Kumara Krupa Road, Bangalore.  
Bounded by: on North by Site No. 23.  
South by Site No. 21  
East by Road  
West by compound wall of a private property.

MANIU MADHAVAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Dated 5-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Padmanabha Rao,  
S/o Venkat Rao  
Merchant Ashok Nagar,  
Bangalore-6.

(Transferor)

(2) 1. Janab Mohammed Shafi,  
2. Mrs. Beepathina W/o No. 1  
Both are represented by the G.P. Holder Dr. C. P.  
Habeeb Falmir, Bangalore-2.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1981

C.R. No. 62/31787/81-82.—Whereas, I,  
MANJU MADHAVAN,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. R. S. No. 613/1, T.S. No. 491/1 & R.S. No. 613/1,  
T.S. No. 491/1, with building No. 5-9-1009/1 to 5-9-1009/  
12 situated at Kambala Ward of Bangalore City  
Corporation, Kodialbail Village,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bangalore City under Doc. No. 82/81-82 on  
15-4-1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 82/81-82 dated 15-4-1981)

R.S. No. 613/1, T.S. No. 491/1, measuring 7½ cents and  
R.S. No. 613/1, T.S. No. 491/1, measuring 7½ cents in all  
15 cents, with building bearing No. 5-9-1009/1 to 5-9-1009/  
12 situated at Kambala ward of Bangalore city Corporation,  
Kodialbail Village.

Boundaries north and South : Portion of the same T.S.  
No. 491/1, West : Public Road, East : T.S. No. 490/1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

BANJU MADHAVAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 7-12-81

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1981

C.R. No. 62/31791/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 43/1, situated at Chokkasundra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq), Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North (Tq.) under Document No. 819/81-82 on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kusum Singh Namjoshi, S. No. 43/1, Chokkasundra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq) Bangalore. (Transferor)

(2) 1. Sh. A. P. Mehta,  
2. Mr. J. A. Mehta,  
3. Mr. D. A. Mehta No. 195, Upper Palace Orchards, Bangalore-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 819/81-82 dated 13-4-81)  
All that property bearing S. No. 43/1, Chokkasundra Village, Yeshwanthpur Hobli, Bangalore North (Tq)

MANJU MADHAVAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 7-12-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 2nd December 1981

Ref. No. RAC 208/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 16-2-46/1 situated at Makikpet Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. N. Ramachandra Reddy S/o N. Ranga Reddy Barni Ham U.K. GPA Sri Nari Sarah S/o Dr. N. Ramachandra Reddy Officer Vazir Sultan Tobacco Co. Staff Quarters Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd Samiul Haq S/o Mohd Haq Jeddah Saudi Arabia G.P.A. Sri Mohd Abdul Haq S/o. Mohd Azizul Haq 16-2-46/1 Akbar Bagh Malakpet Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House & land No. 16-2-46/1 Akbar Bagh Malakpet Hyderabad area 681.94 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2167/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-12-1981

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri T. Ramaiah Chowdary S/o Late Lakshmi Perumal H. No. 294 Tarnaka Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. M. Indira Reddy w/o Sri M. Shashidar Reddy 28, Lalaguda, Secunderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 209/81-82.—Whereas, J. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Peerzadiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land 3 acres in Survey No. 64 Peerzadiguda, village Hyderabad East Taluk, Hyderabad Dt. registered with Sub-Registrar Uppal vide Doc. No 1325/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 3-12-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri S. Prasanna Raju S/o Dr. S. P. Raju & others  
41 Swastik Road, Shanthinagar  
Bangalore. (Transferor)

(2) M/s Platinum Construction Rep. By Umraoak  
Gupta Charkaman Hyderabad. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 210/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 3-6-138 situated at Himayath Nagar, Hyderabad  
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering  
Officer at Hyderabad on April 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

M. C. H. No. 3-6-138 Himayathnagar Hyderabad area  
969.70 sq. yards registered with SubRegistrar, Hyderabad vide  
Doc. No. 1935/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 3-12-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd December 1981

Ref. No. RAC 211/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-138 situated at Himayath Nagar, Hyd. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Prasanna Raju s/o Dr. S. P. Raju & other  
41, Swastik Road Shanthinagar  
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s Platinum Constructions  
Rep By Umrao Lal Gupta  
Charkuman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House MCH No. 3-6-138 Himayathnagar Hyderabad area 480 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2001/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated 3-12-81

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 212/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—406GT/81

(1) Sri Badruddin Tyabji  
S/o Late Faiz B. Tyabji  
8-2-407 Road No. 6  
Banjara Hills, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri C. Anjaneya Reddy  
S/o Narsimha Reddy  
3-6-212 Himayathnagar  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 5 in Survey No. 129/62 Banjara Hills, Hyderabad area 1012 Sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1666/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-81

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 213/81-82.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot situated at Banjara Hills, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Badruddin Tyabji  
S/o Late Faiz B. Tyabji  
8-2-407 Road No. 6  
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Lakshmi Narsimha Reddy  
S/o Late Raghav Reddy  
4-5-398 Sultan Bazar  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot No. 4 Survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills Hyderabad area 1173.37 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1683/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sumitra Bai Narania  
W/o Hariram Narania  
4-2-400 Sultan Bazar  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Padma Co-operative Housing Society Ltd.  
1-8-702/51 Nallagunta, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 214/81-82.—Whereas I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. land situated at Nallagunta, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on April 81  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 5,500 sq. yards situated at Nallekunta  
Hyderabad Survey No. 76 to 79 and part of Sy. No. 12  
ward 1 Block 8 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide  
Doc. No. 1699/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 24-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sumithra Bai Naranji  
4-2-400 Sultan Bazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Padma Co-operative Housing Society Ltd.  
1-8-702/51 Nallakunta  
Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 215/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Nallakunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open land measuring 5824 sq. yards situated at Nallakunta Hyderabad Survey No. 76 to 79 and part of Sy. No. 12 ward 1 Block 8 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1700/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 2-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Badruddin Tyabji  
S/o Late Faiz B. Tyabji  
8-2-407 Road No. 6  
Banjara hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri M. Narasimhappa S/o Venkata Ramappa  
Potti Sriramulu Nagar  
Hyderabad. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 216/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 9 in Syl. No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad area 1157.22 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1758/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 4-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 217/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot situated at Banjara Hills, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Badruddin Tyabji  
S/o Late Faiz B. Tyabji  
8-2-407 Road No. 6  
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. L. Sanjeeva Reddy  
S/o P. Lakshmayya  
Princess villa Chirag Ali Lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot No. 6 Survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad Area 1183 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1774/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC 218/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Bedruddin Tyabji  
S/o Late Faiz B. Tyabji  
8-2-407 Road No. 6  
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Babu Rao  
S/o Pullalal  
Village Rimmanapudi  
Taluk Pamarru  
Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot No. 5 survey No. 129/62 Road No. 5 Banjara Hills Hyderabad area 1066.29 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1776/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri R. Koteswar Rao  
S/o R. Ramaiah  
Yellareddy guda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Anji Reddy, Doctor  
D/o K. Venkata Reddy  
Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th December 1981

Ref. No. RAC No. 219/81-82.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Shaikpet village, Hyd.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land in Survey No. 129/67 at village shaikpet Hyderabad area 1173 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2465/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1981

Ref. No. RAC 220/81-82.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Gollur Ibrahimpatnam Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ibrahimpatnam on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) I. Sri Vasani Haridas Kotcha  
S/o Sri Huridasji Kotcha  
2. Smt. Bhanumathi Vasanji Kotcha  
5-9-22/42 & 43  
Adarshnagar Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Mathra Bagh Alias Mathra Grape garden  
22-5-191 Pattalwadi Lane  
Gulzar House Hyderabad-2  
Managing partner Smt. Sarita Mahender  
sugandhi W/o Sri Mahender Madanlal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 15 acres 4 guntas in Survey No. 259 & 260 situated at Gollur, Taluk Ibrahimpatnam, Rangareddy district registered with Sub-Registrar Ibrahimpatnam vide Doc. No. 360/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
24—406GI/81

Dated : 5-12-1981  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1981

Ref. No. RAC 221/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Saheb nagar Kurd, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Bommidi Nagaiah alias Nagi Reddy S/o Narasimhareddy 2. B. Dharma Reddy S/o Nagaiah 3. B. Lakshmikantha Reddy S/o Dharma Reddy 4. B. Sunitha D/o B. Dharma Reddy 5. B. Anitha D/o B. Dharma Reddy 6. B. Urmila D/o B. Dharma Reddy 7. B. Narasimha Reddy S/o Naguiah 8. B. Yadi Reddy S/o Narasimha Reddy 9. B. Ranga Reddy S/o Narasimha Reddy 10. B. Madhavareddy S/o Narasimha Reddy 11. B. Punyam Reddy S/o Naguiah 12. B. Bhoireddy S/o Punyam Reddy 13. B. Om Reddy S/o Pundam Reddy 14. Srinivasa Reddy S/o B. Punyam Reddy 15. Miss Aruna D/o B. Punyam Reddy 16. B. Bhagyam Reddy S/o

B. Nagaiah 17. B. Balreddy S/o B. Bhagyamreddy 18. Miss Indira D/o B. Bhagyam Reddy 19. Miss Sandhya D/o B. Bhagyam Reddy 20. Jakkidi Yadaiah alias Yadi Reddy 21. J. Radhesyam Reddy S/o J. Yadaiah 22. J. Rajkiran Reddy S/o J. Yadaiah 23. J. Rajkumar Reddy S/o J. Yadaiah 24. Jitta Anji Reddy S/o Narayan Reddy 25. J. Rajusukkar Reddy S/o Anji Reddy 26. J. Surender Reddy S/o Anji Reddy 27. Miss Sunitha D/o Anji Reddy 28. Miss Anitha D/o Anji Reddy All are residents of Sahebnagar village Hayathnagar Taluk Ranga Reddy District and 29. M/s Swastik Enterprises 12, Lal Bahadur Stadium Hyderabad Rep. by (i) Ghanta Radhakrishnaiah Gaddiannaram, Hyderabad and (ii) K. Prabhakar Reddy Aliabad, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) M/s Bhagyalakshmi Co-operative Housing Society TAB 76 Reg. Office 1-1-192/2 Chikadpally Hyderabad, President Sri K. Anjaya S/o late Kistaiah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 38 acres 4 guntas in Sy. No. 52 to 57, 69 & 70 in Sahebnagar Kurd village Hayathnagar Taluk R. R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad East vide Doc. No. 2749/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 5-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 222/81-82.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-28/1 situated at Basheerbagh, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Mohd. Mahboobbaig S/o Late Ibrahim Baig 2. Mohd. Mzahar Baig S/o Mahboob Baig 4. Mohd. Muzaffar Baigh S/o Mahboob Baig 4. Mohd. Mahboob Ali S/o Mahboob baig 5. Mohd. Bulfequr Baigh S/o Mahboob baig 19-3-380 Shalibanda Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sharada Bai W/o Narayan Rao Gampa 2. Sri Rajeswar Rao S/o Narayan Rao Gampa 3. Sri Santhosh Kumar Gupta S/o Narayan Rao Gampa 4-8-757 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion H. No. 5-8-28/1 New No. 5-9-29/3/10 at Basheerbagh Hyderabad area 300 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 1750/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-12-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 223/81-82.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-28/1 situated at Basheerbagh, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(1) Mohd Mahboob Baig & 4 others  
19-3-380 Shalibanda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Narayana Rao Gampa & others  
4-8-757 Gowliguda  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-8-28/1 Now No. 5-9-29/3/10 at  
Basheerbagh Hyderabad area 150 sq. ft. registered with Sub-  
Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1751/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM JTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC 224/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill situated at Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Parvathareddi Venkata Reddy S/o Pecchi Reddy 2. Parvathareddi Siva Mohan Reddy S/o Venkat Reddy 21/20A Balajinagar Nellore. 3. Kanna Ramanaiyah S/o Lakshmayya Veguru Village Kovvur Taluk,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Nagaraju Ramakrishniah S/o Chinna Balaiah 2. Nagaraju Kanakayya S/o Chinna Balaiah 3. Gurramkonda Venkata Ramanayya S/o Shankaraiah Nawalpet Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Rice Mill in the name of Ashoka Rice Mill Settigunta Road Nellore registered with Sub-Registrar Nellore vide Doc. No. 1277/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981

S al :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. RAC No. 52/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24-8-6 situated at Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on April 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kalidindi Sakuntala Devi,  
W/o K. R. S. Bangaraju, Bahadur,  
380, Gandhinagar, D. No. 1-1-38/A, Hyderabad,  
(Transferor)

(2) Dr. M. Bapiraju  
S/o Lakshminarasimha Raju,  
Chairman, Mahatma Gandhi Memorial Medical  
Trust, Bhimavaram.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building bearing Door No. 24-8-6- Asst. No. 278-Bhimavaram was registered with the SRO, Bhimavaram during the month of April, 1981 vide document No. 738/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-12-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th December 1981

Ref. No. PAC No. 53/81-82, Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-87-133 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur, on April, 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Yelamanchili Achamamba, W/o Sambasivarao, 5-87-133, Laxmipuram, Guntur.  
(Transferor)

(2) Smt. Yelamanchili Indira Devi, W/o M. Jaganmohanrao, D. No. 5-81-133, Laxmipuram, Guntur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing D. No. 5-87-133, Laxmipuram, Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of April, 1981 vide document No. 3735/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 7-12-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Korada Sanyasamma, W/o Venkataswamy Naidu, Vemulavalasa Village, Bhimunipatnam Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Krishna Co-operative House Building Society Ltd., B-1624, Madhuranagar, Visakhapatnam, (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 54/81-82.—Kakinada Squad.—  
Whereas, J. S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. TD. 2655 situated at Madhurawada Village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Visakhapatnam on April, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring Ac. 3-50 bearing S. No. 329 at Madhurawada Village was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2352/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 55/81-82.—Kakinada Squad.—  
 Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. TD. 329 situated at Madhuravada Village  
 (and more fully described in the Schedule  
 annexed hereto), has been transferred under the Registration  
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
 Officer at Visakhapatnam on April, 81  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
 or any moneys or other assets which have  
 not been or which ought to be disclosed by  
 the transferee for the purposes of the Indian  
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
 Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

25--406GT/81

(1) Sri Peesa Chinnayya, S/o Late Chinnayya  
 Sri Peesa Bangarayya, S/o Chinnayya,  
 Pilakomatisipalem Village, Madhurawada Post.  
 (Transferor)

(2) Sri Krishan Co-operative House Building  
 Society Ltd., B-1624, Madhurawada.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the  
 period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or  
 a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring Ac. 2-25 cents in S. No. 329 at Madhurawada Village was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2131/81.

S. GOVINDARAJAN,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Peesa Pothanna, S/o Late Bangarayya  
 Sri Peesa Chinna Sanyasi S/o Late Bangarayya  
 Sri Peesa Bangarayya, S/o Sanyasi.  
 All are residing at Village  
 Pillakomatispalem, Madhurawada Post,  
 (Transferor)

(2) Sri Krishna Co-operative House Building Society  
 Ltd., B-1624-Madhuranagar.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 56/81-82, Kakinada Squad.—  
 Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to  
 believe that the immovable property, having a fair market  
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. TD 2655 situated at Madhuravada Village  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering  
 Officer at Visakhapatnam on April 81  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring Ac. 2-25 cents in S. No. 329 at Madhurawada Village was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2137/81.

S. GOVINDARAJAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri Mupparupu Venkatappaiah,  
D. No. 1-74-12, Patamata.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 57/81-82, Kakinada Squad.—  
Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. No. 3485, situated at Patamata  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site admcasuring 0-30 cents in RS. No. 2246/Asst. No.  
3485 situated at Patamata was registered with the SRO,  
Vijayawada during the month of April, 1981 vide 3349/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri G. Poli Reddy, S/o late Narasimha Keddy,  
Maddilapalem, Visakhapatnam.  
(Transferor)

(2) Sri Patchametla Venkata Rama Raju,  
S/o Butchi Raju-47-1-114, Visakhapatnam-16.  
(Transferee),

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 58/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Waltair Ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Site admeasuring 982 sq. yds. at Waltair Ward-Visakhapatnam Block No. 1 was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2388/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated : 8-12-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Rednam Nagaratnam W/o Venkata Subba Rao, 25-12-37, Vada Street, Visakhapatnam.  
(Transferor)

(2) Smt. Allipilli Syamalabai, W/o Sudarsana Rao, 10-11-26, Ramnagar, Visakhapatnam.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th December 1981

Ref. No. RAC No. 59/81-82, Kakinada Squad.—

Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site situated at Resapupalem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Site admeasuring 1000 sq. yds. in S. No. 1/7 L.P. No. 5/80, Plot No. 2 in Resapupalem Visakhapatnam was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of April, 1981 vide document No. 2566/81.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-12-1981  
Seal :

Letters and other communications  
the body of the letter as  
should be counted. An address  
for addressed and salutary  
er or communication.

\*\*\*\*